Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 17 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 61 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

लफ्जों के दांत नहीं होते, पर काटते हैं और काट लें तो उनके जख्म नहीं भरते।

–गुलजार

Kriti Kharbanda And Pulkit...

इफ्तार (सोमवार) : 06:01
सेहरी (मंगलवार): 04:37

SARAFA

सोना	:	8,410
चांदी	:	112.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड में 41 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

RANCHI : झारखंड के कई जिलों में तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। अत्यधिक तापमान बढ़ने का प्रतिकूल असर आम जन जीवन पर पड़ रहा है। रविवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान चाइबासा में 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि राज्य के तीन शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। जिन जिलों में तापमान 40 डिग्री हो गया है उनमें डालटेनगंज 40.7, जमशेदपुर में 40.0, बोकारो में 40.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं रांची में भी तापमान बढ़कर 37 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के पश्चिमी जिलों में हल्की बारिश होने और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में अगले एक-दो दिनों में अन्य जिलों में भी बारिश होने का आसार है।

संगीतकार एआर रहमान की बिगड़ी तबीयत, भर्ती

MUMBAI : रविवार को संगीतकार और गायक एआर रहमान की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द होने के कारण तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर करीबी नजर बनाए हुए है। उनके प्रशंसक सोशल मीडिया पर उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एआर रहमान विदेश से चेन्नई लौटने के बाद अचानक असहज महसूस करने लगे। उनकी एंजियोग्राफी की गई है। डिहाइड्रेशन की वजह से उन्हें भर्ती कराया गया था, क्योंकि वह रमजान के उपवास भी कर रहे थे। फिलहाल, डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है और उनकी सेहत में सुधार हो रहा है।

बीएलए ने पाक सेना पर किया फिदायीन हमला

NEW DELHI : रविवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना पर फिदायीन हमले का दावा किया है। इसमें 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। हमला क्वेटा से कप्तान जा रहे 8 मिलिट्री वाहनों पर नोशकी के हाईवे के पास किया गया। बीएलए के मुताबिक उसकी मजीद और फतेह ब्रिगेड ने सेना के काफिले पर सुसाइड बॉम्बिंग की। जानकारी के मुताबिक एक फिदायीन लड़ाका विस्फोटकों से भरी गाड़ी लेकर सेना के काफिले से टकरा गया। इसके बाद फतेह स्क्वॉड ने सेना के काफिले में घुसकर हमला किया। जिस वाहन पर सुसाइड अटैक किया गया था, वो पूरी तरह तबाह हो गया। घायलों को नोशकी के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इलाके में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। पाकिस्तानी पुलिस बोली- सिर्फ 5 सैनिक मारे गए।

गिरिडीह के घोड़थंबा में स्थिति सामान्य, 22 आरोपी भेजे गए जेल

PHOTON NEWS GIRIDIH : जिले के घोड़थंबा में होली के जुलूस को लेकर दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प-आगजनी की घटना को लेकर रविवार को पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। घोड़थंबा ओपी पुलिस ने रविवार को बताया कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के इस मामले में गिरिडीह एसपी विमल कुमार के निर्देश पर घोरथंबा ओपी में घटनास्थल पर तैनात दंडाधिकारी सुरेश बरनवाल के आवेदन पर केस दर्ज कर लिया है। दंगा भड़काने के आरोप में पुलिस ने दोनों समुदाय के 40-40 लोगों को नामजद और 250 अज्ञातों के खिलाफ केस दर्ज किया है। छापामारी कर इस मामले में पुलिस ने दोनों समुदाय के 11-11 आरोपियों को जेल भेजा है। इस बीच रविवार को घोरथंबा में शांति बहाल करने के लिए खोरीमहुआ अनुमंडल कार्यालय में अधिकारियों के साथ दोनों समुदाय के लोगों के साथ बैठक की गई।

दोनों समुदायों के 40-40 लोगों को नामजद और 250 अज्ञातों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर

होली के जुलूस को लेकर दो समुदायों के बीच हुई थी हिंसक झड़प और आगजनी, पुलिसकर्मी भी हुए थे चोटिल

- सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के मामले में गिरिडीह एसपी विमल कुमार के निर्देश पर दर्ज हुआ मुकदमा
- दोनों समुदायों के लोगों के साथ प्रशासन ने की बैठक घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

उपद्रवियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी

गिरिडीह के एसपी विमल कुमार ने कहा कि झड़प में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। शुक्रवार देर रात हुई घटना को लेकर शनिवार को लोंगों ने बताया कि होली जुलूस घोड़थंबा पहुंचा। जुलूस में शामिल लोग परंपरागत वाद्य यंत्र को बजाते हुए पहुंचे थे, जिसको

लेकर दूसरे पक्ष की और से विरोध किया गया। हालांकि इस दौरान घोड़थंबा प्रभारी मौजूद थे और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास कर रहे थे तभी उपद्रवियों नें पथराव और तोड़ फोड शुरू कर दिया। इसमे कई लोगों और सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी चोटिल हुए। देखते ही देखते पांच दुकानों को आग हवाले कर दिया गया । दो पहिया और चार पहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर तीन-चार पहिया वाहन में भी आग लगा दी गई।

नामकुम रेलवे स्टेशन के नजदीक एक शराब दुकान के सामने हुई घटना

दो गुटों के बीच तलवारबाजी एक की गई जान, तीन जख्मी

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी के नामकुम थानाक्षेत्र के नामकुम रेलवे स्टेशन के समीप शराब दुकान के सामने दो पक्षों में अचानक मारपीट और तलवारबाजी शुरू हो गई। इसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक मामूली विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया और दो पक्षों के लोग एक दूसरे से उलझ गए। दोनों गुटों के बीच झड़प हुई। रांची के डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने इस घटना में एक व्यक्ति के मारे जाने की पुष्टि की है। घायलों में सभी की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक के परिजनों ने सड़क पर प्रदर्शन किया और 10 लाख रुपए मुआवजे की मांग की। घटना के बाद पुलिस ने तलवारबाजी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के मुताबिक, 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मामूली विवाद के तूल पकड़ने के बाद अचानक भिड़ गए दोनों पक्ष

14 मार्च को कुछ युवकों में हुई थी लड़ाई

बताया जा रहा है कि पूरा मामला 14 मार्च की शाम से जुड़ा हुआ है। इस दिन शाम नामकुम रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक शराब दुकान के सामने कुछ युवकों के बीच बाइक की चाबी की वजह से विवाद शुरू हुआ। बाद में बात बढ़ी और मारपीट की नौबत आ गई। खटाल के लोगों ने बस्ती के युवकों को पीट दिया। फिर बस्ती के दर्जनों लोग लाठी-डंडा लेकर शनिवार को सुबह खटाल पहुंचे। ये लोग खटाल गली में घुस रहे थे, तभी खटाल वालों को इसकी जानकारी मिल गई। खटाल के लोग भी एकजुट हुए और बस्ती वालों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष पर तलवार से वार कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति सोनू मुंडा की मौत हो गई तथा तीन गंभीर रूप से घायल हो गये।

आक्रोशित लोगों ने सड़क को किया जाम

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उनके द्वारा अवैध तरीके से बनाए गए होटल और खटाल को बुलडोजर चलाकर रविवार को ध्वस्त किया। दो पक्षों में हुए इस हिंसक विवाद को देखते हुए पूरे इलाके पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। सोनू मुंडा की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मौत के बाद गुस्साए लोगों ने विरोध में पुरुलिया रोड को रविवार को जाम कर दिया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने जोरार में रांची-पुरुलिया रोड को जाम कर दिया। बीच सड़क पर टायर जलाकर सभी सड़क पर बैठ गए। सभी के हाथ में मृतक सोनू मुंडा का फोटो था। ये लोग न्याय की मांग

12 नामजद सहित 150 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज

पुलिस ने मृतक की पत्नी के बयान पर 12 नामजद सहित 150 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने अब तक 8-10 महिलाओं समेत 2 दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस उपलब्ध वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। डीएसपी अमर कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस ने इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखा है। मारपीट में शामिल 12 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। जो लोग भी इस मामले में दोषी होंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मामले में लगातार गिरफ्तारियां जारी है। दो पक्षों में हुए विवाद को देखते हुए पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

निर्दयी बाप ने तीन बेटियों को उतारा मौत के घाट फिर कर ली खुदकुशी

PHOTON NEWS GIRIDIH : रविवार को गिरिडीह जिले के खुखरा थाना इलाके के महेशलिट्टी गांव में तीन बेटियों सहित पिता की डेड बॉडी पड़ी हुई मिलीं। ग्रामीणों की सूचना पर डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। मौके पर एसडीपीओ ने चार की मौत की पुष्टि की है। बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि पिता ने अपने तीन बच्चों का गला दबाने के बाद अपनी जान दे दी है। मृतकों में महेशलिट्टी निवासी सनाउल अंसारी (36), सनाउल की बेटियां- आफरीन परवीन (12), सफाउल (6), जैबा नाज (8) शामिल हैं। इस बीच जानकारी मिलते ही एसपी डॉ. विमल कुमार भी घटनास्थल पहुंचे और लोगों से घटना की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत होता है। फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतक सनाउल राजमिस्त्री का काम करता था और घर में ही दुकान भी चलाता था। शनिवार की रात उसने पहले अपने तीनों बच्चों की गला दबाकर हत्या कर दी। सभी के गले में निशान मिले हैं। इसके बाद कमरे के अंदर ही खुदकुशी कर ली।

- गिरिडीह जिले के खुखरा थाना इलाके के महेशलिट्टी गांव में हुई घटना
- ग्रामीणों की सूचना पर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद
- घर में दुकान चलाने के साथ राजमिस्त्री का काम करता था सनाउल
- निशान बता रहे हैं कि गला दबाकर की गई मासूमों की हत्या

सेहरी के लिए उठाने गए लोग तो हुआ खुलासा

मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची से विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम से जांच कराई रही है, ताकि स्पष्ट हो सके कि मामला हत्या का है या खुदकुशी का। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक कि पत्नी दो दिन पहले ही मायके गई हुई थी। रविवार को चारों का शव मिलने के बाद लोगों की भीड़ जुट गई है। रमजान का महीना चल रहा है। इस दौरान रोजेदार सुबह में सेहरी के लिए उठते हैं। रविवार की सुबह जब सनाउल अंसारी नहीं उठे तो लोग उन्हें जगाने गए। इस दौरान लोगों को घटना की जानकारी हुई। स्थानीय लोगों का कहना है- रोजा रखने के कारण रात 10 बजे तक गांव में काफी चहल-पहल थी। उसके कुछ घंटे बाद ही यह घटना घटी होगी। इधर पुलिस का कहना है- सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। देखा जा रहा है कि घटना के पीछे क्या कारण है। ऐसी क्या परिस्थितियां पैदा हुईं कि सनाउल अंसारी ने बच्चों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली।

एक नई उभरती घटना के रूप में सामने आ रही है अंशकालिक मित्रता

कई देशों में शासन का हुआ पतन : आर्मी चीफ

AGENCY NEW DELHI : रविवार को भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि इस समय दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है। इस वजह से इराक, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य देशों में शासन का पतन हुआ है। अंशकालिक मित्रता एक नई उभरती हुई घटना है। इसे 'मजबूरी में दोस्त' भी कहा जाता है। एक निर्वाचित सरकार की अवधि या एक निर्वाचित नेता का पतन एक राष्ट्र के पूरे दृष्टिकोण को बदल रहा है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी नई दिल्ली में देश के पहले आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बिपिन रावत की याद में चौथे व्याख्यान 'उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बदलते प्रतिमान' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी बोले- इस समय नई चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया

यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्षों से उबर रहा विश्व

उन्होंने कहा, हम देखते हैं कि अमेरिका, कनाडा या बांग्लादेश में क्या हो रहा है। दुनिया यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्षों से अभी-अभी उबर रही है, जिसमें अधिकतर देशों ने यथार्थवाद, आदर्शवाद या धर्म के आधार पर पक्ष लिया था। इस उथल-पुथल में चल रहे उप-राष्ट्रीय संघर्ष और वैश्विक शांति के लिए आम खतरे जैसे आतंकवाद, कट्टरपंथ और बड़े पैमाने पर साइबर हमले भी शामिल हैं।

- नए खतरों में आतंकवाद, कट्टरपंथ और बड़े पैमाने पर साइबर हमले भी हुए शामिल
- मानवाधिकारों के अपने सिद्धांत को बनाए रखने का कर रहे प्रयास

भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण भी खतरा

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि चीन ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के समुद्री क्षेत्र के बीच जहाज अग्नि अभ्यास करके अपने संकेत को बढ़ाया है। इस शक्ति संघर्ष में उत्तर कोरिया चुपचाप सैन्य रूप से मजबूत होता जा रहा है। यहां तक कि वैश्विक कॉमन्स महासागर, बाहरी अंतरिक्ष, साइबर स्पेस और वायुमंडल भी उसी भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण खतरे में हैं। गलत सूचना विश्वास को कमजोर करती है, जबकि आर्थिक असमानताएं और संसाधन प्रतिस्पर्धा अशांति और पलायन को बढ़ावा देती है।

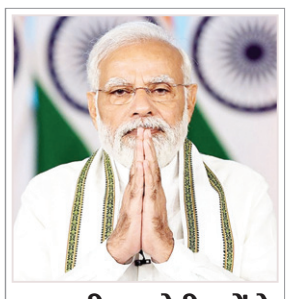

आज पीएम मोदी करेंगे रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण का उद्घाटन

NEW DELHI : सोमवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायसीना डायलॉग के तीन दिवसीय 10वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टिसिपेट करने के लिए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन रविवार को दिल्ली पहुंच चुके हैं। उद्घाटन सत्र में उनका मुख्य भाषण होगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने आने वाले चुनौतीपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने वाला भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर यह प्रमुख सम्मेलन है। रायसीना डायलॉग-2025 संस्करण का विषय कालचक्र - लोग, शांति और ग्रह है। 10वें रायसीना डायलॉग में मंत्रियों, पूर्व राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों, सैन्य कमांडरों, उद्योग के कप्तानों, प्रौद्योगिकी नेताओं, शिक्षाविदों, पत्रकारों, सामरिक मामलों के विद्वानों, प्रमुख थिंक टैंकों के विशेषज्ञों और युवाओं सहित लगभग 125 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। दिल्ली में इनका आगमन शुरू हो चुका है। विदेश मंत्रालय के अनुसार लगभग 125 देशों के 3500 से अधिक प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से डायलॉग में

- मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पार्टिसिपेट करने के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन

खतरनाक हालात — पिछले तीन दशकों में 11% बढ़ गए हैं मिर्गी के रोगी

मानसिक बीमारियों को गंभीर बना रहा क्लाइमेट चेंज का असर

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन मनुष्य के शरीर में न केवल तरह-तरह की बीमारियां पैदा कर रहा है, बल्कि उसकी मानसिक स्थिति को भी कमजोर कर रहा है। पिछले दशकों में मानसिक रूप से बीमार लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मिर्गी जैसी बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक है। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी मिल रही है कि वर्तमान में दुनिया में मिर्गी की बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या 5 करोड़ से अधिक हो गई है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर दुनियाभर में मौतों का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन चुका है, जिससे हर साल करीब 90 लाख लोगों की जान जाती है। ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीज, इंजुरीज एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी 2021 (जीबीडी) की रिपोर्ट की मानें तो 1990 से 2021 के बीच मिर्गी के मामलों में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जलवायु परिवर्तन का असर भी मानसिक बीमारियों से जूझ रहे लोगों पर देखा जा रहा है।

वर्तमान में पूरी दुनिया में 5 करोड़ से अधिक हो गई है मिर्गी के रोगियों की तादाद

हर साल एपिलेप्सी की गंभीर स्थिति की वजह से 90 लाख लोगों की जाती है जान

- मिर्गी के दौरे के दौरान अपने शरीर पर पूरी तरह नियंत्रण खो सकता है मरीज
- यह न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर बन गया है चौथा सबसे आम तंत्रिका संबंधी विकार

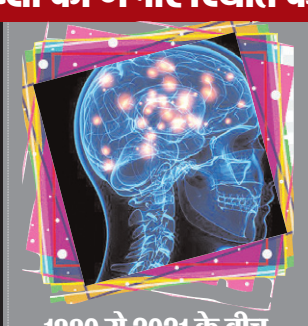

1990 से 2021 के बीच मिर्गी से होने वाली मौतों में 14.5 फीसद की आई है गिरावट

- इस बीमारी में असामान्य हो जाती है मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं की गतिविधि
- द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित रिपोर्ट में कारणों का किया गया है विस्तृत विश्लेषण

अमीर देशों में मामलों की संख्या कम

मिर्गी के मामलों का वितरण दुनिया में एक जैसी नहीं है। 2021 में कम और मध्यम आय वाले देशों में मिर्गी के तीन से चार गुना अधिक मामले और मौतें दर्ज की गईं। कम आय वाले देशों में नए मामलों की संख्या 82.1 फीसदी तक बढ़ गई। इसकी तुलना में मौतें 84.7 फीसदी अधिक थीं। शोध के दौरान उन क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां मिर्गी के मामले सबसे अधिक हैं। इससे वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को बेहतर इलाज और रोकथाम के उपाय विकसित करने में मदद मिलने की संभावना अधिक है।

10 करोड़ आबादी प्रभावित, 2 लाख घरों में बिजली गुल

बवंडर की चपेट में आए 8 अमेरिकी राज्य, 34 की मौत

AGENCY NEW DELHI : अमेरिका में अलबामा, मिसीसिपी, लुसियाना, इंडियाना, अरकंसास, मिसौरी, इलिनॉय और टेनेसी राज्य टॉरनेडो (बवंडर) की चपेट में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन राज्यों में अब तक 40 बवंडल आ चुके हैं। मौसम विभाग ने हालात और ज्यादा गंभीर होने की आशंका जाहिर की है। शनिवार और रविवार को अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। मिसौरी में सबसे ज्यादा 12 मौतें हुई हैं। 10 करोड़ अमेरिकी आबादी प्रभावित है। 2 लाख घरों में बिजली गुल हो गई है। कैनसस में धूलभरी आंधी के चलते हाईवे पर लगभग 50 गाड़ियां टकरा गईं। इसमें 8 लोगों की मौत हुई। मिसिसिपी में 6 लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। 100 किमी/घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल रही है।

- कैनसस में 100 किमी/घंटे की रफ्तार वाली धूलभरी आंधी के कारण हाईवे पर टकरा गईं लगभग 50 गाड़ियां

मामूली कहा-सुनी पर बेटे ने मां को डंडे से पीटकर मार डाला, गिरफ्तार

दुमका जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र की घटना

AGENCY DUMKA : जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र के धोबाचापड़ गांव में एक बेटे ने अपनी बूढ़ी माँ को पीटकर जान ले लिया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी बेटा जियालाल देहरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। घटना शुक्रवार रात की है। मृतका 65 वर्षीय चाँदमुनी महारानी है। वह मूलरूप से धोबाचापड़ गांव के पहाड़िया टोला की रहने वाली थी। मृतका के छोटे बेटे बाबूराम देहरी ने बताया कि वह काम करने गया हुआ था। शुक्रवार शाम को घर पहुँचा। मौत कैसे हुई उसकी जानकारी नहीं है। घटना के सम्बंध में आरोपी की पत्नी प्रमिला

आरोपी को अस्पताल लेकर पहुंचे पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

महारानी ने बताया कि शुक्रवार को सभी होली मना रहा था। शाम करीब 4 बजे माँ चाँदमुनी महारानी और बेटा जियालाल देहरी के बीच कहासुनी हुई। इसी बीच जियालाल ने डंडे से अपनी माँ को पीटने लगा, वह दोनों के बीच झगड़ा में बीच-बचाव किया। रात करीब 9 बजे सास की मौत हो गई।

ग्राम प्रधान चन्द्रराय मरांडी ने बताया कि जियालाल ने अपनी मां को डंडे से पीटा, जिसके बाद रात में उसकी मौत हो गई है।

अपार्टमेंट के गार्ड की रहस्यमय परिस्थिति में मौत

PHOTON NEWS DHANBAD : बारामुड़ी स्थित श्रीगणेशा अपार्टमेंट के गार्ड 45 वर्षीय योगेश पासवान की मौत रहस्यमय परस्थिति में हुई है। मौत की सूचना पर अपार्टमेंट पहुंचे परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच मामला सुलह कराया। बताया जाता है कि योगेश पासवान भूली ई बलाक सेक्टर पांच का रहने वाला है। शनिवार की सुबह करीब 7 बजे वह ड्यूटी के लिए श्रीगणेशा अपार्टमेंट पहुंचा था। दिन भर ड्यूटी की और रात होने पर वह सो गया। रात्रि पाली वाले गार्ड जब अपार्टमेंट पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पूरे परिसर की बत्ती बंद है। उन्होंने पहले बत्ती जलाई, फिर देखा कि योगेश सो

अपार्टमेंट में मुआवजा के लिए समझौता कराते लोग ● फोटोन न्यूज

रहा है। उसे जगाने का प्रयास किया। जब उन्हें शक हुआ तो अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को मामले की सूचना दी गई। उसके परिजनों को भी बुलाया गया। रविवार की सुबह परिजनों ने अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों से 5 लाख रुपये मुआवजा की मांग की। अपार्टमेंट निवासियों ने बताया कि वे पांच लाख देने में सक्षम नहीं है। उन्होंने 1.5 लाख तक मदद करने की बात कही। हालांकि स्वजन इस पर तैयार नहीं हैं। इधर पुलिस भी दोनों पक्षों में सुलह कराने का प्रयास कर रही है, जबकि योगेश की मौत कैसे हुई, इसको लेकर कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है।

होटल में जमकर हुई मारपीट, महिला घायल

RAMGARH : रामगढ़ शहर के पायल होटल में होली के दिन जमकर मारपीट हुई। इस मारपीट की घटना में होटल की मालकिन ममता शरण गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। उनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। उन्होंने अपने देवर, भतीजे और उसके दोस्तों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह विधवा महिला है। बड़े मुश्किल से होटल का संचालन करती हैं उनके देवर रविंद्र शरण, भतीजे आदित्य सारण, कुणाल शरण उन लोगों के दोस्त पोचरा निवासी विनोद नायक के द्वारा उनके साथ मारपीट की गई है।

परिजनों पर हुआ जानलेवा हमला, थाने पहुंची महिला

मारपीट की एक दूसरी घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी सोनार मोहल्ला में हुई। सुशीला देवी ने पुलिस को बताया कि उनके देवर राहुल सोनी और भतीजे ऋषभ राज पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला किया। इस हमले में वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर कर दिया गया है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। सुशीला देवी ने सुमित सोनी उर्फ शनि, रोहन सोनी, राहुल सोनी, धीरज गुप्ता और सात अज्ञात लोगों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है।

राशन दुकान में युवक के साथ हुई मारपीट

शहर के नेहरू रोड में भी राशन दुकान में स्वीपर कॉलोनी के लड़कों ने नशे में धुत्त होकर मारपीट की। इस वारदात में घायल विनोद कुमार ने रामगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि क्वार्टर के कुछ लड़के दुकान में पहुंचे और महिलाओं को देखकर अश्लील हरकतें करने लगे?। जब उसने विरोध किया तो नशे में धुत्त युवकों ने उसकी पिटाई कर दी।

लातेहार में कुएं में मिला युवक का शव

AGENCY LATEHAR : सदर थाना क्षेत्र के ललमटिया डैम के पास स्थित पुराने कुएं से रविवार को एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। मृत युवक की पहचान लातेहार जिला मुख्यालय के चंदनडीह मोहल्ला निवासी पवन कुमार सिंह (28) के रूप में हुई है । पवन कुमार गत 14 मार्च से ही घर से लापता था । रविवार को उसका शव कुएं से बरामद हुआ। कुएं में मृतक के शव के साथ-साथ मृतक युवक का मोटरसाइकिल भी बरामद हुआ। मिली जानकारी के अनुसार गत 14 मार्च को पवन अपने कुछ दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से बाहर निकला था। लेकिन शनिवार रात को वापस नहीं लौटने के बाद परिजनों ने इसकी सूचना सदर थाना में दी। सूचना के बाद पुलिस की टीम युवक की खोजबीन आरंभ कर दी। इसी

इसी कुएं में मिला युवक का शव ● फोटोन न्यूज

बीच रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि ललमटिया डैम के पास स्थित एक पुराने कुएं में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना के बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से युवक के शव को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद युवक की पहचान पवन कुमार सिंह के रूप में की गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या की गई है। वहीं इस संबंध में थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। उन्होंने कहा कि मामले में पुलिस ने कुछ लोगों से पूछताछ की है।

बाबा साहब की नवनिर्मित प्रतिमा का हुआ अनावरण

CHATRA : कान्हाचट्टी प्रखंड के पाण्डेय महुआ चौक पर रविवार को बाबा भीम राव आंबेडकर की आदमकत प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण बिहार के मखदुमपुर राजद विधायक सतीश दास, चतरा के लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया के भाजपा विधायक उज्ज्वल दास, और पूर्व विधायक किशुन दास ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद नेताओं ने उन्हें माला पहना कर और दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राजद विधायक सतीश दास ने आंबेडकर समिति के लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने ही समाज के अति दबले कुचले शोषितों और वंचितों को उनका अधिकार दिलाया। बाबा साहब ने अपने जीवन काल में काफी संघर्ष के बदौलत ऊंचे शिखर तक पहुंचने का कार्य किया।

दो गजराजों ने सीमांत गांव में फसलों को किया बर्बाद, गाय को भी कर दिया घायल

AGENCY CHATRA : जिले के सिमरिया और पत्थलगडा प्रखंड के सीमाने में दो गजराजों ने जमकर उत्पात मचाया। रविवार को दोनों हाथियों को भगाने के लिए सैकड़ों ग्रामीण सीमांत जंगल में जुटे हुए हैं। शनिवार की देर रात और रविवार की सुबह तक दोनों जंगली हाथी चतरा जिले के सिमरिया और पत्थलगडा के सीमांत गांव तपसा और सिलहटी गांव में कई किसानों को क्षति पहुंचाई। कई किसानों के खेतों में लगे फसलों को रौंद दिया। साथ ही सिलहटी निवासी बैजनाथ दांगी के मवेशी को पटक कर मार डाला और एक गाय को गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों मवेशी मचान के नीचे बंधे थे। जानकारी के अनुसार हाथियों का

खलिहान में गिरी गाय व झाड़ी में दिख रहा हाथी ● फोटोन न्यूज

दल सबसे पहले तपसा गांव पहुंचा। यहां शंकर दांगी, कृष्णा पांडेय, रितिक, अभय, शिवम सहित अन्य के खेतों में लगे प्याज, गेहूं सहित अन्य फसलों को चट कर गए या रौंद दिया। दोनों हाथी सिलहटी में अरुण दांगी के खेत में लगे आलू की फसल, अजय डांगी के कतारी और केला, नारायण दांगी का पांच कट्ठा गेहूं, बासुदेव दांगी के खेत में लगे गेहूं, बैजनाथ दांगी का प्याज, अरुण दांगी का ड्रिप इरीगेशन और केदार दांगी के खेत में लगे बोरिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों के उत्पात को देखकर रविवार को सुबह ग्रामीण मशाल जलाकर और ढोल बजाते हुए हाथियों को गांव से खदेड़ कर जंगल की ओर खदेड़ दिया। दिन के उजाले में भी हाथियों को भगाने के लिए शोर के साथ पटाखा जलाया गया लेकिन हाथी घने जंगल में ही डेरा जमाये हुए हैं।

BRIEF NEWS

ठाकुरबाड़ी मंदिर विकास समिति बनाएगी ट्रस्ट

PALAMU : ठाकुरबाड़ी मंदिर विकास समिति रेडमा मेदिनीनगर ट्रस्ट बनाएगी। इसके माध्यम से अपनी सभी 16 परिसंपत्तियों के प्रबंधन पर कार्य किया जाएगा। अवैध कब्जे पर कार्रवाई के लिए पहल करेगी। रविवार को ठाकुरबाड़ी मंदिर विकास समिति रेडमा की हुई ग्रामीणों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। ट्रस्ट बनाने की जिम्मेवारी मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष विजय तिवारी अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी एवं अमित तिवारी अधिवक्ता को दी गई है। कार्य भी प्रारंभ है। बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष विजय तिवारी एवं अन्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि मंदिर जैसे धार्मिक और सार्वजनिक आयोजन स्थल पर शिवध्यान तिवारी शिक्षक और वामपंथी नेता रुचिर तिवारी अपनी रोटी सेंकना चाहते हैं। उनके द्वारा गोपनीय रूप से मंदिर का ट्रस्ट बनाकर जमीन पर कब्जा जमाने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों व्यक्ति दुष्प्रचार कर रहे हैं और ग्रामीणों को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ लोगों का फर्जी हस्ताक्षर करवा कर ट्रस्ट बनाने का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण अपने पूर्वजों की धरोहर की रक्षा के लिए पूरी तरह एकजुट हैं। मंदिर की एक एकड़ 39 डिसमिल जमीन पर अवैध कब्जा है।

झाड़ग्राम-धनबाद आज व 20 मार्च को रहेगी रद्द

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से होकर चलने वाली झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम एक्सप्रेस 17 व 20 मार्च को रद्द रहेगी। इसके साथ ही ट्रेन नंबर- 68056/68055 टाटा-आसनसोल-टाटा मेमू 17, 18 व 19 और 22 मार्च को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी।

लोक कवि अनंतलाल महतो का निधन

GHATSILA : गोपालपुर निवासी अनंत लाल महतो का निधन शनिवार को टीएमएच में इलाज के दौरान हो गया। वे मूल रूप से पूर्वी

सिंहभूम जिला अंतर्गत धालभूमगढ़ प्रखंड के चतरों गांव के रहने वाले थे। पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। करीब 80 वर्षीय अनंत लाल महतो झारखंड आंदोलनकारी के साथ साथ झुमुर गीतों के रचयिता थे और लोक कवि के रूप में जाने जाते थे। इन्होंने बांग्ला में भी कई किताबें लिखी थीं, जिसमें सबसे ज्यादा लोकप्रिय मीला अरन्येयर पारस मोनी थी। इन्होंने बिहार सरकार में विद्युत विभाग में बिजली मिस्त्री के रूप में भी सेवा की थी। झारखंड अलग राज्य निर्माण आंदोलनकारी के रूप में राज्य सरकार द्वारा चिह्नित हुए थे। तत्कालीन मंत्री नीरा यादव ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया था। उनका अंतिम संस्कार रविवार को स्वर्णरेखा नदी के किनारे मुक्ति धाम में किया गया। इस मौके पर लोक कवि, समाजसेवी और झारखंड आंदोलन कारी कंचन कर, रंजीत ठाकुर, प्रो. मित्रेश्वर, किशोरी मोहन महतो समेत कई लोग मौजूद थे।

अनियंत्रित ट्रेलर ने गाड़ियों को मारी टक्कर पहाड़ में टकराने से दूसरी गाड़ी में लगी आग

RAMGARH : रामगढ़-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर पर चुटूपालू घाटी में एक अनियंत्रित ट्रेलर ने कहर बरपाया। उसने कई गाड़ियों में टक्कर मारी। उसकी टक्कर से उसके आगे चल रहा ट्रेलर पहाड़ से जा टकराया, जिससे उसमें आग लग गई। हालांकि भीषण सड़क हादसे में सभी गाड़ियों के ड्राइवर और खलासी बाल बाल बच गए। घाटी में ट्रेलर में अचानक आग लग जाने से अफरा तफरी मच गई। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार ओड़िसा के राउरकेला से हिमाचल जा रहा ट्रेलर संख्या (एचआर69सी 9422) का अचानक घाटी में ब्रेक फेल हो गया। ट्रेलर के चालक ने कई वाहनों को बचाते हुए रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान एक अन्य ट्रेलर संख्या (आरजे 36 जीए 5002)को अपनी चपेट में लेते हुए गाड़ी मोड़ ली और चट्टान से जा टकराई। चट्टान से टकराने के बाद ट्रेलर में आग लग गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर सलीम खान पहुंचे और घायल चालक और खलासी को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां इन दोनों का उपचार किया गया।

एनएच पर धू-धू कर जल रहा ट्रक ● फोटोन न्यूज

चट्टान से टकराई कार, विभिन्न सड़क हादसों में 27 लोग घायल

रामगढ़ थाना क्षेत्र में हाईवे पर सैनी होटल के समीप एक कार चट्टान से टकरा गई। इस हादसे में कार पर सवार चार लोग घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने उनका इलाज सदर अस्पताल में कराया। इसके अलावा जिले में दो दिनों में विभिन्न स्थानों पर हुए सड़क हादसे में कुल 27 लोग घायल हो गए, जिनका इलाज सदर अस्पताल में हुआ।

पीवीयूएनएल के खिलाफ गोलबंद हुए ग्रामीण, रोजगार और विकास की उठाई आवाज

RAMGARH : पतरातू पीवीयूएनएल के खिलाफ लबगा गांव के ग्रामीण गोलबंद हुए हैं। ग्रामीणों ने कहा कि विस्थापन के बाद उस इलाके के युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। कंपनी रोजगार और विकास के अवसर से उन्हें दूर रख रही है। लबगा विस्थापित विकास समिति की बैठक रविवार को मां पंचवाहिनी मंदिर प्रांगण में हुई। बैठक में पीवीयूएलएल-एनटीपीसी पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कहा कि पीवीयूएलएल गांव के युवाओं को रोजगार और कंपनी की ओर से चलाए जा रहे प्रशिक्षणों से वंचित कर रहा है। साथ ही गांव में सीएसआर के तहत कोई विकास कार्य नहीं किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव का 90 प्रतिशत जमीन पतरातु थर्मल बनाने के लिए लिया जा चुका है। इसके बाद भी विकास योजनाओं से गांव को बाहर रखा गया है।

सिक्किम में घूमने गए आईआईटी आईएसएम के 10 छात्र हुए घायल

DHANBAD : सिक्किम के मंगन जिले में शनिवार की रात सड़क हादसे में आईआईटी आईएसएम धनबाद के 10 छात्र घायल हो गए। यह दुर्घटना रात करीब 9.30 बजे पाखशेप जंगल क्षेत्र के पास हुई, जब लाचुंग से गंगटोक जा रहा पर्यटक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे 100 फीट गहरी खाई में गिर गया। वाहन में आईआईटी आईएसएम के छह छात्र और चार छात्राएं सवार थे। हादसे में चालक समेत सभी यात्री घायल हो गए। घायलों में से तीन छात्रों को इलाज के लिए गंगटोक स्थित एसटीएनएम अस्पताल भेजा गया, जबकि बाकी छात्रों का उपचार मंगन जिला अस्पताल में किया गया। सभी सकुशल हैं। एक छात्र को थोड़ी चोट लगी है। तीन दिनों की होली की छुट्टी में एमबीए फर्स्ट ईयर के सभी छात्र

खाई में गिरा वाहन

सिक्किम घूमने गए थे। आईएसएम प्रबंधन के अनुसार सभी सकुशल हैं। संस्थान के सीनियर सिक्योरिटी इंचार्ज राम मनोहर कुमार ने बताया कि छात्रों से बात हो चुकी है। सभी ठीक हैं। सभी छात्र विभिन्न राज्यों से हैं और तीन दिन की होली की छुट्टी मनाने सिक्किम गए थे। सोमवार तक सभी धनबाद लौट आएंगे।

राज्य स्तरीय बंगीय उत्सव का हुआ भव्य आयोजन, पूरे झारखंड से जुटे कलाकार

बंगाली कलाकारों ने गोपाल मैदान में खूब मचाई धूम, झूमे लोग

PHOTON NEWS JSR : झारखंड में बांग्ला भाषा-संस्कृति को संजोए राज्य स्तरीय बंगीय उत्सव 2025 का भव्य आयोजन रविवार को बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में किया गया। यह आयोजन बंगीय उत्सव समिति के तत्वावधान में हुआ, जिसमें झारखंड के कोने-कोने से कलाकार, साहित्यकार और दर्शक जुटे। मानभूम, पुरुलिया के कुंदन कुमार ने स्वर्ग उपरे..., रसियन लुक..., अंचल ढाका... व कनिका कर्मकार ने सालपियाल पोलास बोने..., भालो बेसेछीली सुदु तोके...आदि राढ़ बांग्ला संगीत की प्रस्तुति से समां बांध दिया। चाईबासा के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैली से खूब तालियां बटोरीं। शहर के प्रसिद्ध बांसुरी वादक अशोक दास और माउथ ऑर्गन वादक विकास कुमार शीट की जुगलबंदी दर्शकों को

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो को ज्ञापन सौंपते बंगभाषी ● फोटोन न्यूज

क्षेत्रीय भाषा को भी साथ लेकर चलें : रबींद्रनाथ महतो

बंगीय उत्स के दूसरे सत्र का उद्घाटन राज्य विधानसभा के स्पीकर रबींद्रनाथ महतो व झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने किया। बंगीय उत्सव समिति के पैट्रन अंशुमान चौधुरी, अध्यक्ष अमित कुमार पात्रो, कार्यकारी अध्यक्ष अपर्णा गुहा, शुभंकर चटर्जी, पूरबी घोष, इंद्रजीत घोष, महासचिव उत्तम गुहा आदि ने बांग्ला भाषा के उत्थान के लिए मांग पत्र दिया। रबींद्राथ महतो ने कहा कि बांग्ला भाषा के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी साथ लेकर चलें। बांग्ला एक समृद्ध भाषा है। आप सभी बांग्ला भाषा हर क्षेत्र में बोलचाल में लाएं। इस दौरान विधायक सरयू राय भी उपस्थित थे।

भाषा-संस्कृति बचाने के लिए आगे आएं सभी लोग : रामदास सोरेन

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि भाषा-संस्कृति को बचाने में समाज के लोगों को आगे आने की जरूरत है। समाज के लोग अपने बच्चों को मातृभाषा में पढ़ने में आगे आएं। वर्तमान सरकार मातृभाषा में पठन पाठन की व्यवस्था में अग्रसर है। बांग्ला भाषा की पढ़ाई की व्यवस्था भी की जारी है। चेयरमैन पार्थ सारथी चटर्जी ने स्वागत भाषण, अपर्णा गुहा ने बंगबंधु उपलब्धिया लोगों के समक्ष रखीं।

मंत्रमुग्ध किया। चास बोकारो के योग यौगिक आसन मुद्रा स्वावलंबी विद्यापीठ पुकुंकी आश्रम के मंडली द्वारा योग व आध्यात्मिक संगीत की प्रस्तुति की गई। रांची के सजल बनर्जी व उनकी टीम द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इस उत्सव के पहले सत्र में अतिथि के रूप में राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, हाता माताजी आश्रम के बिनय बाबाजी, पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, उत्सव समिति के चेयरमैन पार्थसारथी चटर्जी, अध्यक्ष अमित कुमार पात्रो, कार्यकारी अध्यक्ष अपर्णा गुहा, इंद्रजीत, पूरबी घोष, अंशु सरकार, प्रकाश मुखर्जी व महासचिव उत्तम गुहा ने द्वीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

योग गुरु अंशु सरकार और उनकी टीम द्वारा रोग मुक्ति व स्वस्थ रहने के लिए भुजंगासन, नौकासन, अर्धमासचंद्रसन, ससंगासना, एकपादासन सहित 27 योगासन पदर्शित किया गया। पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने भी बांग्ला गीत एटा कि बेला बोस... से श्रोताओं को आनंदित कर दिया। जमशेदपुर के सौमी बोस, संदीप बोस, सुदीप्ता दास व उनकी टीम द्वारा वसंत ऋतु के थीम पर कथक व रवींद्र संगीत पर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। स्टार जलसा सुपर स्टार फेम रांची की अंकिता बसु बनर्जी ने छुपी छुपी सोव गोलपेरा.., भालोबेसे सोखी निभृते जोतने..., अबूझ मोन बोझेना करोन... और उनके साथ एवं ए.आर. हार्ट बिट्ज के राणा बनर्जी ने संगत किया। संध्या में बांग्ला लोकगीत गायिका पौशाली बनर्जी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति ने हजारों की भीड़ को बांधे रखा। उत्सव को यादगार बनाने के लिए सेल्फी प्वाइंट, फूड फेस्टिवल सहित विभिन्न तरह की बांग्ला संस्कृति के स्टॉल लगे थे।

ये रहे सक्रिय : बंगीय उत्सव समिति के पार्थ सारथी चटर्जी, अमित कुमार पात्रो, अपर्णा गुहा, पूरबी घोष, अंशु सरकार, मिथिलेश घोष, शुभंकर चटर्जी, बाबूलाल चक्रबर्ती, अशोक दत्ता, प्रकाश मुखर्जी, बिनोद दे, उत्तम गुहा, अमित माइति, संजीव आचार्य, सुभाष सिंह राय, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सव्यसाची चंदो व ओलिविआ विस्वास ने किया ध्यन्यवाद ज्ञापन अशोक दास ने किया।

BRIEF NEWS

आपसी मोहब्बत और भाईचारा है हमारी असली पहचान : जावेद अनवर

RANCHI : राजधानी रांची में होली के दौरान आपसी सौहार्द का मिसाल देखने को मिला। होली के दिन डोरंडा युनूस चौक के पास स्थित अपने आवास के बाहर रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमेटी के महासचिव जावेद अनवर ने डोरंडा महावीर मंडल के सदस्यों एवं आसपास के होली खेल रहे सभी अखाड़ा धारकों को होली के दौरान माला पहनाकर स्वागत किया और सभी को होली की बधाई देकर गंगा जमुना तहजीब की मिसाल पेश की। मौके पर उनके साथ दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब गद्दी भी मौजूद रहे। मौके पर पहुंचे लोगों ने महासचिव सह समाज सेवी जावेद अनवर के कार्यों को खूब सराहा।

बेड़ो में करांजी खटंगा मोड़ के पास हुआ इफ्तार पार्टी का आयोजन

RANCHI : रविवार को बेड़ो प्रखंड के करांजी खटंगा मोड़ के समीप रविवार को मुखिया प्रतिनिधि बबलू खान ने इफ्तार पाटी का आयोजन किया। इफ्तार पाटी में बेड़ो प्रखंड के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत की और सामूहिक रूप से रोजा इफ्तार किया। मौके पर बबलू खान ने कहा किरमजान सिर्फ इबादत का महीना ही नहीं, बल्कि भाईचारे और मेल-जोल को बढ़ाने का भी जरिया है। यह इफ्तार दावत आपसी मोहब्बत और सौहार्द का प्रतीक है। हाफिज इमरान ने अमन, शांति और बरकत की दुआ करवाई। उन्होने रोजेदारों को संबोधित करते हुए कहा कि रमजान हमें सब्र, नेकी और दूसरों की मदद का सबक देता है। इस अवसर पर जेएमएम खूंटी जिला अध्यक्ष मो. जुबेर, पूर्व पंचायत समिति सदस्द अमीन अंसारी, अंजुमन के सदर सोएब अंसारी, रुस्तम अंसारी, मकबुल अंसारी, नौसाद आलम, हाजी कलाम, हाजी शमीम, मंजूर, तबरेज, खालिद, शाहबान, राजा, रफिक, इलयास सहित कई लोग उपस्थित थे।

हथियार और चोरी की बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

RANCHI : लोअर बाजार थाना पुलिस ने अवैध हथियार और चोरी की बाइक के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में सदर थाना निवासी शेख अफरोज उर्फ पुटीलाल, नामकुम थाना निवासी मो अशफाक अंसारी और आशिफ सिद्धिकी शामिल है। इनके पास से आठ चकीय रिवाल्वर, एक पिस्टल, मैगजीन,आठ गोली,एक हीरो पैशन बाइक और एक मोबाईल फोन बरामद किया गया है।

नगर निगम की लचर सफाई व्यवस्था पर खड़े किए जा रहे सवाल

नहीं उठा होलिका दहन के बाद कचरा शहर में कई जगह पसरी है गंदगी

PHOTON NEWS RANCHI : होली का त्योहार शहरभर में धूमधाम से संपन्न हो गया। लेकिन, इसके साथ ही सडकों पर दिख रही गंदगी ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। होलिका दहन के बाद निकला मलबा और कचरा शहर के कई हिस्सों में पड़ा हुआ है। इससे इलाके में गंदगी का माहौल बन गया है। बता दें कि अधिकारियों ने होलिका दहन के बाद मलबे के उठाव के लिए तत्काल निर्देश दिए थे। इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में अभी भी कचरा और मलबा पड़ा हुआ हैं। मुख्य सड़कों से तो कचरा हटाया गया है, लेकिन कई कॉलोनियों और गली-मोहल्लों में सफाई की स्थिति अभी भी वैसी ही है।

विशेष अभियान चलाने का था निर्देश : नगर निगम ने सफाई व्यवस्था को लेकर होली के अवसर पर विशेष अभियान चलाने का आदेश जारी किया था। इसमें यह सुनिश्चित करने का निर्देश था कि होलिका दहन के बाद उत्पन्न होने वाला मलबा और कचरा तुरंत हटाया जाए। इसके अतिरिक्त, मुख्य मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया था। जिससे कि होली के दिन शहर में स्वच्छता बनी रहे और नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पानी बहने से ब्लॉक हो गया रास्ता

कोकर चौक स्थित पगला बाबा आश्रम के पास सप्लाई वाली राइजिंग लाइन फट गई। इससे कि घंटों तक हजारों गैलन पानी रोड पर बहता रहा। इस वजह से एक रास्ता भी ब्लाक हो गया। लोग दूसरे रास्ते से होते हुए अपने घरों को गए। वहीं बाजार जाने के लिए भी लोगों ने दूसरे रास्ते को चुना। हालांकि कई लोगों ने विभाग को इसकी सूचना दी। लेकिन, तब तक पानी का बहना जारी था। अब इस वजह से एक बड़ी आबादी को पानी नहीं मिलेगा।

- अधिकारियों ने तत्काल उठाव करने का दिया था निर्देश
- मुख्य सड़कों से केवल हटाया गया है मलबा
- कोकर चौक के नजदीक राइजिंग लाइन फटने से बहा हजारों गैलन पानी

घरों से भी नहीं उठा कचरा

नगर निगम ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि गार्बेज कलेक्शन नियमित रूप से किया जाए। त्योहार के दौरान शहर के संपर्क मार्गों की स्वीपिंग का कार्य भी नियमित रूप से हो। इसके साथ ही सभी नालियों की सफाई भी की जाए। लेकिन कई इलाकों में कचरा उठाने वाली गाड़ियां ही नहीं पहुंची। इस वजह से घरों का कचरा डस्टबिन में ही पड़ा रहा।

नेता प्रतिपक्ष ने हेमंत सरकार पर उठाया सवाल, कहा-

घोड़थंबा हिंसा के बाद एफआईआर हमले का पूर्व नियोजित खाका

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने राज्य सरकार को हिंदू विरोधी बताते हुए कहा कि उनकी आशंका सही साबित हुई। साथ ही कहा कि उन्होंने कल आशंका व्यक्त की थी कि होली के दिन गिरिडीह के घोड़थंबा में हुई हिंसा मामले में प्रशासन उपद्रवियों का बचाव करते हुए मामले को संतुलित दिखाने के लिए पीड़ित हिंदू पक्ष पर कारवाई कर सकती है। अब इस मामले में दर्ज एफआईआर को देखने से ऐसा लगता है जैसे यह कोई शिकायतवाद नहीं, बल्कि हिंदुओं पर हुए हमले का एक पूर्व नियोजित खाका हो।

बाबूलाल ने कहा कि एफआइआर में जिस प्रकार से घटना को वर्णित किया गया है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस-झामुमो के शासन में हिंदुओं ने होली मनाकर कोई अपराध कर दिया है। यदि हिंदू अपना त्योहार मनाएंगे तो उनपर

बोतल बम और पत्थर से हमला होगा, फिर उसके बाद घटना का दोषी बताते हुए उनपर ही मुकदमा भी दर्ज होगा।

तुष्टीकरण से प्रभावित है एफआईआर : बाबूलाल ने कहा कि यह एफआइआर पूरी तरह तुष्टीकरण से प्रभावित लगती है। इसमें हेमंत सरकार की हिंदूविरोधी मानसिकता स्पष्ट नजर आती है। सिर्फ पीड़ित हिंदू पक्ष को कटघरे में खड़ा कर उन्हें ही दोषी ठहराए जाने की सुनियोजित साजिश रची गई है। घटना के असली गुनहगारों को बचाने की पटकथा (एफआइआर) लिखकर सरकार ने उपद्रवियों का मनोबल बढ़ाने और भविष्य में हिंदुओं के ऊपर ऐसे ही हिंसक हमले करने के लिए प्रेरित किया है।

महत्वपूर्ण नेताओं सहित मंत्री से लेकर सांसद-विधायक को सौंपा जाएगा टास्क

झारखंड में कांग्रेस को मजबूत करने की तैयारी, 26 से 30 मार्च तक बनेगी रणनीति

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में कांग्रेस पार्टी को संगठित और मजबूत करने के लिए 26 से 30 मार्च तक महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। ये बैठकें पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही हैं। इनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श किया जाएगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी प्रमुख पदाधिकारियों को इन बैठकों में विशेष कार्य सौंपे जाएंगे। इसे आने वाले अगले 100 दिनों में जमीनी स्तर पर उतारा जाएगा। यह बातें रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कही।

29 मार्च को सामाजिक संगठनों के साथ होगी मीटिंग

28 मार्च को कांग्रेस के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों, पूर्व सांसदों और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के साथ अहम बैठक आयोजित होगी। 29 मार्च को नागरिक समाज संगठनों के साथ दो चरणों में विचार-विमर्श किया जाएगा। 30 मार्च को पूर्व लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ चुके कांग्रेस प्रत्याशियों से मुलाकात की जाएगी। उसके बाद मीडिया, सोशल मीडिया और कम्युनिकेशन विभाग के पदाधिकारियों से संवाद किया जाएगा।

जमीनी स्तर पर किया जाएगा काम

इन बैठकों के दौरान प्रदेश कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाएगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को मिशन मोड में काम करने के निर्देश दिए जाएंगे। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि झारखंड में पार्टी की उपस्थिति को फिर से मजबूत करने के लिए जनसंवाद, मीडिया रणनीति और संगठनात्मक मजबूती पर विशेष ध्यान देना होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो ने बताया कि यह कार्यक्रम राज्य में संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन की रणनीति तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण है।

विस्तृत कार्यक्रम प्रभारी ने किया जारी : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो को लिखे पत्र में इन बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम साझा किया गया। 26 मार्च को सुबह 10:30 बजे से 2 बजे तक जेपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिवों के साथ बैठक होगी, जबकि दोपहर 3 से 6 बजे तक प्रदेश कांग्रेस सचिवों के साथ चर्चा की जाएगी। 27 मार्च को एससी, एसटी ओबीसी और अल्पसंख्यक विभाग के राज्य समिति सदस्यों से चर्चा होगी। इसके अलावा युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई और इंटक के सदस्यों से भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

'अपना घर' आश्रम में दिव्यांगों के साथ मनाया गया होली का उत्सव

PHOTON NEWS RANCHI : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान में परमहंस संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद महाराज के सान्निध्य में होली का आयोजन सद्गुरु कृपा 'अपना घर' आश्रम में किया गया। इस कार्यक्रम में आश्रम में रह 37 मंदबुद्धि दिव्यांग, निराश्रित प्रभु जी और आश्रम में सेवा करने वाले सेवाधारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत श्री कृष्ण-राधा मंदिर के परिसर में होली खेलकर की गई। सभी श्रद्धालुओं और ट्रस्ट के सदस्यों ने अबीर-गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर लोग होली के मधुर गीतों पर नृत्य करते हुए मस्ती में रंगों का उत्सव मना रहे थे। सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर आशीर्वाद लिया और साथ में स्वादिष्ट व्यंजनों, पकवानों और ठंडाई का आनंद लिया।

मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे ने इस दौरान कहा कि होली का त्योहार रंगों का त्योहार है, जो प्रेम, सौहार्द और जीवन की खुशियों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस त्योहार का संदेश हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए। सद्गुरु कृपा अपना घर के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि होली का पर्व सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह त्योहार हमें बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, संजय सर्राफ सहित अन्य सदस्यगण मौजूद थे।

श्री-श्री महाबली हनुमान भक्त मंडल की हुई बैठक अमित सोनी बने अध्यक्ष

RANCHI : रविवार को श्री-श्री महाबली हनुमान भक्त मंडल की बैठक रातू रोड स्थित होटल बुलु किरिस्टल में आयुष राज वर्मा के अध्यक्षता में हुई। सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को भंग करके आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। सभी पदाधिकारी द्वारा अमित सोनी को श्री श्री महाबली हनुमान भक्त मंडल को अध्यक्ष चुना गया। समिति ने पहली मंगलवारी को जुलूस धूमधाम से निकालने का निर्णय लिया। श्री श्री महाबली हनुमान भक्त मंडल के पदाधिकारी इस प्रकार से चुने गए- मुख्य संरक्षक डॉक्टर आनंद रंजन शहदेव, संरक्षक शंकर प्रसाद, रवि कुमार पिंकू, सागर वर्मा, सबलू मुंडा, अजीत नायक, जीत गुप्ता,मंजीत सिंह, मंटू सिंह, नीरज कुमार बने।

इबादत और तपस्या का महीना है रमजान : तहजीबुल हसन

PHOTON NEWS RANCHI : रमजान इबादत और तपस्या का महीना है। इसी महीने की 15 तारीख तीन हिजरी में अल्लाह ने पैगंबरे इस्लाम को नवासे से नवाजा। इमाम हसन के आगमन पर पूरे मदीना में खुशियां मनाई गईं। इमाम हसन के लिए पैगंबर ने कहा कि मेरी हूबहू की तस्वीर हसन की जात है। आप इमाम हसन के साथ सात साल तक रहे और आप इमाम हसन को ऐसा लाड़-प्यार देते थे कि जमाना हैरान हो जाता था। आप ही ने इमाम हसन के कान में अजान और इकामत कही थी और यह सुन्नत नबी बन गई। आप ने ही अपने नवासे का नाम हसन रखा। अगर आप इमाम हसन की पूरी

जिंदगी पढ़ेंगे तो यही सीख मिलती है कि इंसान को हर मोर्चे पर सबसे पहले सुलह को अहमियत देनी चाहिए। इसी में मानवता का अस्तित्व निहित है। इमाम हसन ने कहा, ऐ मुसलमानो, उम्मत में मतभेद पैदा मत करो। उम्मत में कलह पैदा करने वाले सही मायने में पैगम्बर के खुले दुश्मन हैं। यह बातें हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं।

गिरिडीह में हिंसा फैलाने की साजिश को प्रशासन ने किया नाकाम : विनोद पांडेय

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि गिरिडीह में उपद्रव और हिंसा फैलाने की साजिश को जिला प्रशासन ने नाकाम कर दिया। तत्परता दिखाते हुए प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की। इससे समाज में नफरत फैलाने की साजिश असफल हो गई। पांडेय ने रविवार को कहा कि होली के दिन गिरिडीह के घोड़थंबा में प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई किया है। लेकिन नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और भाजपा के लोग हर घटना पर राजनीतिक रोटी सेकने चाहते हैं।

भाजपा जिस प्रकार के राजनीतिक चरित्र का प्रदर्शन कर रही है, वह बाबूलाल मरांडी के बयानों से उजागर हो रहा है। इन्हें राज्य में अमन-चैन पसंद नहीं है। उन्हें याद रखना चाहिए कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में भोली-भाली जनता को उकसाने का प्रयास कभी सफल नहीं होगा। भाजपा के लोग जनता को उकसाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग प्रशासन पर दबाव बनाना चाहते हैं। इस प्रकार की साम्प्रदायिक मानसिकता रखने वालों के खिलाफ प्रशासन को कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। पांडेय ने कहा कि भाजपा लोगों को धर्म, जाति, समुदाय में बांट कर विद्वेष फैलाने के लिए साजिश रचने से बाज आने वाली नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जनता के विकास और उन्नति के लिए भाजपा नेताओं के पास कोई सकारात्मक सोच नहीं है।

संस्कार भारती के वसंतोत्सव में कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति

PHOTON NEWS RANCHI : संस्कार भारती रांची महानगर और चिरंजीवी किड्स स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में होली मिलन समारोह वसंतोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें सम्मानित अतिथि शामिल हुए। इस दौरान सुजाता मजूमदार ने संस्कार भारती का ध्येय गीत प्रस्तुत किया। स्वागत संबोधन अवनींद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में झारखंड प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुशील अंकन ने संस्कार भारती के अखिल भारतीय स्वरूप के बारे में जानकारी दी। विभिन्न कलाकारों ने संगीत, नृत्य और होली गीतों की प्रस्तुतियां दी। आरुष ने सरस्वती वंदना जय जय

हे भगवती प्रस्तुत किया। सुजाता मजूमदार और अन्य कलाकारों ने होली गीतों व पारंपरिक संगीत की प्रस्तुति दी। शुभ्राज्योत्सना ने नृत्य प्रस्तुत किया और सभी ने सामूहिक होली गीत गायन और नृत्य में भाग लिया। अंत में अवनींद्र सिंह ने सभी कलाकारों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि और संस्कार भारती के पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवाओं को मदद | मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत सहकारी निगमों को दी गई है राशि

स्वरोजगार के लिए हर स्तर पर मदद करेगी हेमंत सरकार

PHOTON NEWS RANCHI : युवाओं को रोजगार देने के लिए हर स्तर पर हेमंत सरकार तत्पर है। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत सहकारी निगमों को राशि दी गई है। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सरकार ने इस योजना के तहत कुल 183.20 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया था। अब सहकारी निगमों द्वारा एससी, एसटी, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय लोगों के आवेदनों पर विचार करने के बाद संबंधित निगमों द्वारा उन्हें यह राशि उपलब्ध कराई जाएगी। कर्ज लेने वालों की उम्र कम से कम 18 और अधिकतम 50 साल होनी चाहिए। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत अपना रोजगार शुरू करने के इच्छुक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के युवकों को न्यूनतम ब्याज दर पर कर्ज सह अनुदान देने का प्रावधान है। योजना का लाभ वैसे लोगों को दिया जाता है जिनकी पारिवारिक आमदनी सालाना पांच लाख रुपये से अधिक नहीं हो। योजना के तहत कम से कम 50 हजार और अधिकतम 25 लाख रुपये कर्ज सह अनुदान दिया जाता है।

- 18 से 50 साल होनी चाहिए लोन लेने वाले उम्मीदवारों की उम्र
- न्यूनतम ब्याज दर पर कर्ज और अनुदान देने का किया गया है प्रावधान
- कम से कम 50 हजार और अधिकतम 25 लाख रुपये तक मिल सकता है कर्ज

40% अनुदान का है प्रावधान

कर्ज की राशि में कम से कम 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। हालांकि अनुदान की अधिकतम राशि की सीमा पांच लाख रुपये निर्धारित है। कर्ज सह अनुदान की राशि सहकारी निगमों द्वारा सिर्फ छह प्रतिशत सूद की दर से उपलब्ध कराई जाती है। 50 हजार तक के कर्ज के लिए मार्जिन मनी और गारंटर की जरूरत नहीं होती है। इससे अधिक के कर्ज के लिए एक गारंटर देने की बाध्यता है। अनुसूचित जाति के आवेदकों को अनुसूचित जाति सहकारिता विकास निगम, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जाति के आवेदकों को आदिवासी सहकारी विकास निगम के माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत कर्ज की रकम उपलब्ध कराई जाती है। इसी तरह अल्पसंख्यक समुदाय के आवेदकों को अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत कर्ज की रकम उपलब्ध करायी जाती है।

दो नक्सलियों के घर ढोल बजाते पहुंची पुलिस, चिपकाया इश्तेहार

PHOTON NEWS RANCHI : नक्सली संगठन टीएसपीसी से नाता तोड़कर अपना अलग आपराधिक संगठन बीकेएस तिवारी बनाने वाले हार्डकोर नक्सली कमांडर रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी के घर रविवार को पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया। इसके अलावा संगठन के ही सक्रिय सदस्य अनिश अंसारी उर्फ अविनाश के घर भी ढोल बजाते हुए इश्तेहार चिपकाया गया। रामेश्वर महतो का घर हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के डमारू गांव में है। वहीं, अनिश अंसारी का घर रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के मतवे गांव में है। लंबे समय से फरार रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी और अनिश अंसारी उर्फ अविनाश को इश्तेहार के सहारे यह खबर दी गई कि वे तय समय तक सरेंडर कर दें,

वर्ना उसके घर को कुर्क कर लिया जायेगा। इन लोगों के खिलाफ राजधानी रांची से सटे ठाकुरगांव थाना में संगीन धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। साथ ही बड़कागांव, केरेडारी खलारी, बुढ़मू और ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के कई कांडों में वांटेड हैं। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश के बाद डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी की देखरेख में ठाकुरगांव और बुढ़मू पुलिस के जरिये की गयी है।

जेल अदालत ने तीन बंदियों को किया रिहा

RANCHI : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) ने रविवार को बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारा होटवार में जेल अदालत-सह-विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में न्यायिक दंडाधिकारी (प्रथम श्रेणी) मनोज कुमार इंदवार, सार्थक शर्मा, प्रशांत गुप्ता, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी, विजय यादव, बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारा होटवार के कारापाल, काराकर्मी, अधिवक्ता, न्यायालयकर्मी एवं बंदी उपस्थित थे। विभिन्न न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के निमित बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारा में संसीमित 7 बंदियों का आवेदन जेल अदालत के लिए समर्पित किया गया था।

समाचार सार

होली में सराबोर हुए एसपी, डीआईजी व डीसी

CHAIBASA : होली के अवसर पर शनिवार को एसपी आशुतोष शेखर के आवासीय परिसर में भव्य आयोजन हुआ, जिसमें एसपी के अलावा

डीआईजी मनोज रतन चौथे व डीसी कुलदीप चौधरी ने भी रंग-गुलाल लगाए और ढोलक-झाल बजाकर फगुआ गीतों का भी आनंद उठाया। एसपी ने सभी पदाधिकारियों और जवानों को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक पारस राणा, प्रशिक्षु आईपीएस निखिल राय, सदर एसडीपीओ प्रशिक्षु डीएसपी प्रदीप चौधरी, पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप ओलिभर मिंज व मंत्री ताराचंद महतो, सार्जेंट मेजर मंशु गोप, सार्जेंट सुनील किस्पोट्टा, सार्जेंट प्रतीक कुमार आदि भी उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिकों ने जमकर मनाई होली

JAMSHEDPUR : वरिष्ठ नागरिक सह मॉर्निंग वॉकर्स ग्रुप, कदमा के

सदस्यों ने शुक्रवार को कदमा-सोनारी लिंक रोड गोलचक्कर के समीप हर्षोल्लास के साथ होली मनाई। सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामना दी व मुंह मीठा कराया। इस दौरान भरत भूमिज, रामदेवजी, एसएन मित्रा, श्रीकांत देव, गुलशन सहगल, अजय श्रीवास्तव, सुधाकर लाल दास, एके राय, एसएस दास, गणेश चौधरी, लखी महतो, शंभू सरदार, धीरेन गोराय, विनोद सिंह, एचएन ठाकुर, जीसी दास आदि मौजूद थे।

जमशेदपुर के लोग खेल व खाने के शौकीन : ध्यानचंद

JAMSHEDPUR : भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान अशोक ध्यानचंद

रविवार को शहर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि जमशेदपुर के लोग खेल और खाने के शौकीन हैं। साकची में एक रेस्टोरेंट के उद्घाटन समारोह में उनके अलावा राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी सुरेंद्र खन्ना व पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी भी उपस्थित थे।

बेटी के घर जा रहे पिता, पुत्र व मां की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला से सटे ओडिशा में चंपुआ में ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह 5 बजे की है। मृतकों की पहचान ओयबन प्रधान, उनकी पत्नी मथामणि प्रधान व पुत्र मंगल प्रधान के रूप में की गयी। तीनों मृतक सननोई गांव के हैं। एनएच-20 पर रजियादडीता चौक के पास पिता, पुत्र और मां मोटरसाइकिल से अपने बेटी-दामाद के घर दडीता में श्राद्धकर्म में जा रहे थे, तभी रिमली की ओर से आ रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल को ठोकर मार दी, जिसकी चपेट में आकर बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर गए। यह हादसा बेटी के घर से कुछ ही दूरी पर हुआ। हादसे में घटनास्थल पर ही ओयबन प्रधान की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी मथामणि प्रधान व पुत्र मंगल प्रधान की गंभीर स्थिति देखें हुए नजदीकी चंपुआ अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में पहुंचते ही माथामोणी प्रधान की मौत हो गई। पुत्र मंगल प्रधान की गंभीर स्थिति देखे हुए क्योंझर अस्पताल रेफर कर दिया गया, पुत्र की भी वहां इलाज के क्रम में मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर एनएच 20 सड़क जाम कर दिया। हाइवे लगभग पांच घंटे तक जाम रहा।

जुगसलाई में सैनिक को भेजा जेल, शहर के पूर्व सैनिकों ने थाने में खूब किया बवाल

परिजनों से मारपीट के आरोप पर डीआईजी ने दिए जांच के आदेश

PHOTON NEWS JSR : जुगसलाई थाना में सैनिक सूरज राय के साथ मारपीट का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी ने पूरे घटनाक्रम की जांच के आदेश दिए हैं। सीसीआर डीएसपी मनोज ठाकुर ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। जांच के दौरान यह देखा जा रहा है कि सैनिक के साथ मारपीट किस परिस्थितियों में हुई और सैनिक को जेल भेजने के मामले में सेना के प्रोटोकॉल का पालन किया गया था या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पुलिसकर्मी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बागबेड़ा निवासी सैनिक सूरज राय को जुगसलाई थाना की पुलिस ने जेल भेज दिया

जुगसलाई थाना परिसर में हंगामा करते पूर्व सैनिक ● फोटोन न्यूज

है। सैनिक के परिजनों ने बताया कि सूरज राय अपने चचेरे भाई विजय राय के साथ थाने के निजी चालक के साथ हुई बहस के बारे में बात करने थाना गया था। वहां सूरज के साथ मारपीट की गई और उसी को जेल भेज दिया गया। आरोप है कि पुलिस को इस संबंध में पहले स्टेशन हेडक्वार्टर और स्थानीय आर्मी यूनिट को सूचना देनी चाहिए थी। मगर, ऐसा नहीं किया गया। रविवार को शहर के पूर्व सैनिकों और सूरज राय के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग जुगसलाई थाना पहुंचे और सैनिक के साथ हुए व्यवहार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पूर्व सैनिकों की मांग है कि जुगसलाई थाना प्रभारी को सस्पेंड किया जाए। इसके साथ ही सूरज को अविलंब रिहा कराया जाए।

आदित्यपुर लूटकांड का खुलासा, दो गिरफ्तार

PHOTON NEWS ADITYAPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना की पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए जयराम महतो पर चापड़ से जानलेवा हमला कर 2300 रुपये नकद और मोबाइल लूटने की वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि 14 मार्च को दिन में लगभग 3 बजे मुस्लिम बस्ती के पास रेलवे लाइन के करीब जयराम महतो पर दो अपराधियों ने चापड़ से हमला किया था और उनके पास से 2300 रुपये और मोबाइल लूट

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

लिया था। इस घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधियों का पता लगाने के बाद उनको गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अपराधियों में शेख रहमत उर्फ मिलू और शाहिद उर्फ नेगडी शामिल हैं। पूछताछ में दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने इन दोनों के पास से लूटे गए 1000 रुपये नकद, मोबाइल और घटना में प्रयुक्त चापड़ बरामद किया है। दोनों अपराधियों का अपराधिक इतिहास है।

बिष्टुपुर पुलिस ने बाइक पर कट्टा लहरा रहे युवक को किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने बाइक पर कट्टा लहरा रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह युवक सोनारी के कुम्हारपाड़ा, ग्वाला बस्ती का निवासी मनोज यादव है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा, एक कारतूस और उसकी बाइक जब्त की है। डीएसपी सीसीआर मनोज ठाकुर ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 15 मार्च की रात लगभग 9 बजे पुलिस को सूचना मिली कि धतकीडीह के बी ब्लॉक एरिया में एक युवक बाइक पर तमंचा लहरा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक छापामारी टीम का गठन किया और मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने देखा कि एक युवक बाइक पर तमंचा लहरा रहा था और जैसे

मामले की जानकारी देते डीएसपी मनोज ठाकुर ● फोटोन न्यूज

ही उसे पुलिस ने देखा, वह भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया, और सीएच एरिया में श्रीश्री हनुमान मंदिर के सामने युवक की बाइक डिवाइडर से टकरा गई। युवक गिरकर घायल हो गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली और उसके पास से एक देसी कट्टा और एक कारतूस बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे जेल भेज दिया।

चाकुलिया में फंदे पर लटका मिला युवक का शव

CHAKULIA : चाकुलिया नगर पंचायत के नामोपाड़ा निवासी एक युवक का शव फंदे पर लटका मिला। युवक मी मां सरस्वती दास ने सुबह अपने बेटे को फंदे से लटका देखा तो शोर मचाया। तब लोग वहां पहुंचे। बताते हैं कि जिस युवक ने आत्महत्या की है उसका नाम जीतेन दास (31) है। वह कनक चंद्र दास का इकलौता पुत्र है। उसने घर की सीढ़ी वाले कमरे में रस्सी के सहारे फांसी लगाई है। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि युवक ने क्यों खुदकुशी की है।

सारंडा में 10 किलो का आईईडी बरामद, जंगल में किया नष्ट

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में रविवार को जिला पुलिस और सीआरपीएफ-60 बटालियन के जवानों ने टोन्टो थाना क्षेत्र के वनग्राम हाथीबुरु एवं लेमसाडीह के जंगली एवं पहाड़ी क्षेत्रों में एक विशेष संयुक्त अभियान शुरू किया। इसके तहत रविवार को सुबह करीब 9.30 बजे हाथीबुरु व लेमसाडीह के पास सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाया गया 10 किलोग्राम का एक आईईडी बम बरामद किया। बाद में सुरक्षा बलों ने इसे जंगल में ही नष्ट कर दिया। यहां बता दें कि जिले के सारंडा सहित कोल्हान क्षेत्र में भाकपा (माओवादी) संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन

जमीन में दबा आईईडी

लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत और रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ बड़ी घटनाओं को अंजाम देने के लिए सक्रिय हैं। इसी के मद्देनजर चाईबासा की जिला पुलिस, कोबरा 203 व 209 बटालियन, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ 26, 60, 134, 174, 193 व 197 बटालियन की संयुक्त टीमों द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

महाबलीपुरम से चार मगरमच्छ (दो नर व दो मादा) मंगाने की तैयारी

टाटा जू में आया रॉयल बंगाल टाइगर का जोड़ा

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क ने गोरवाड़ा जू (नागपुर) के साथ एनिमल एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत दो शानदार रॉयल बंगाल टाइगर का जोड़ा (नर व मादा) मंगाया है।

बाघों का जोड़ा डॉ. नईम अख्तर (उप निदेशक) के नेतृत्व में पशु चिकित्सकों और कीपरों की टीम द्वारा 13 मार्च को नागपुर से ट्रक के माध्यम से लाया गया। करीब 18 घंटे की यात्रा के बाद वे जमशेदपुर पहुंचे। इसके बदले, टाटा जू ने अफ्रीकन ग्रे तोता की एक जोड़ी (नर व मादा) भेंट की है। टाटा जू में आए ये बाघ जंगल से बचाव अभियान के तहत लाए गए हैं। लंबे समय से जू को एक नर बाघ की जरूरत थी, ताकि यहां मौजूद बाघिनों झ सुनैना और

टाटा जू में पहुंचा रॉयल बंगाल टाइगर ● फोटोन न्यूज

सलोनी झ के लिए उपयुक्त साथी मिल सके। नए बाघों को फिलहाल क्वारंटीन के लिए हाल ही में बने आधुनिक बाड़े में सुरक्षित सेल में रखा गया है। 30 दिनों की क्वारंटीन अवधि पूरी होने के बाद, जू प्रशासन नर बाघ को सुनैना और सलोनी से चरणबद्ध तरीके से मिलाकर उनके स्वाभाविक मेल के प्रयास करेगा। टाटा जू अब सफेद बाघों की विरासत को आगे बढ़ाने की तैयारी में है! सफेद बाघ कैलाश, बाघिन सुनैना और सलोनी का पिता था, और जू प्रशासन को उम्मीद है कि नवागंतुक जंगली मूल के नर बाघ के साथ प्रजनन के बाद सफेद बाघ शावकों का जन्म हो सकता है। जंगली जीन के मिश्रण से न केवल शावकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि उनकी औसत आयु भी लंबी होने की संभावना है।

वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक और अहम कदम बढ़ाते हुए, टाटा जू अपने अगले एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट (महाबलीपुरम, तमिलनाडु) से चार मगरमच्छ (दो नर और दो मादा) प्राप्त करने के लिए तैयार है। इसके बदले में, जू अपने सहयोगी संस्थान को चार इंडियन स्टार कछुए (दो नर और दो मादा) प्रदान करेगा। फिलहाल, जू में केवल एक मगरमच्छ है, और इस नई जोड़ी के आने से संरक्षण प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।

तेज रफ्तार बाइक ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराई, मौत

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर रेलवे ओवरब्रिज पर शुक्रवार को एक युवक तेज गति से बाइक चला रहा था। इसी बीच बाइक अनियंत्रित होकर ओवरब्रिज की रेलिंग के प्लेटफार्म पर रगड़ा कर सड़क पर गिर गई, जिससे युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी। ब्रिज के पास तैनात पुलिसकर्मी ने तत्काल घाटशिला थाना के गश्ती दल को सूचना देकर मौके पर बुलाया और उसे अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 23 वर्षीय अभिषेक सीट के रूप में की गई है। मृतक नुआग्राम, घाटशिला निवासी श्यामल सीट का पुत्र था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

महिलाएं सभी तकलीफों के बावजूद आगे बढ़ें, आत्मनिर्भर बनें : सांसद

कार्यक्रम में शामिल होने जातीं जोबा मांझी ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को भारत भवन में सृजन महिला विकास मंच की ओर से कार्यक्रम किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सांसद जोबा मांझी, विशिष्ट अतिथि जिला परिषद की सदस्य लक्ष्मी हांसदा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, महिला थाना प्रभारी शशि बारला, शिक्षिका नीतू साहु आदि उपस्थित थीं। अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि मेहनत एक दिन ना एक दिन जरूर फायदा पहुंचाता है, इसलिए मेहनत करने से पीछे नहीं हटना है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि सभी तकलीफों के बावजूद आग आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें। इस दौरान बंदोडिह की सिंधी गरिमा मंच की ओर से स्वागत गीत व टिंकरचांपी के बाल मंच ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। मेरमेरा की गुलाब गरिमा मंच की ओर से घरेलू हिंसा और सामुदायिक न्याय पर धारित नाटक प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व सचिव नरगिस खातून ने मंच के 27 वर्ष पूर्ण होने की जानकारी दी।

झाड़ियों में लगी आग से किसानों के बगान जलकर राख

GHATSILA : रघुनाथडीह जेल गेट के समीप झाड़ियों में रविवार की दोपहर 3 बजे अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए करीब दो किलोमीटर तक पहुंच गई, जिससे कई किसानों के बगान जलकर राख हो गए। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तेज लपटों के कारण स्थिति बेकाबू होती चली गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पंचायत के उप मुखिया सूजन मन्ना को दी। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। इस मौके पर बिमल सिंह, विनय मन्ना, बप्पा अधिकारी, अजय मन्ना समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। आगजनी से प्रभावित लोगों ने प्रशासन से उचित मुआवजे और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।

साहित्य, कला व संस्कृति को समर्पित संस्था सुरभि के 25वें संस्करण का शहरवासियों ने उठाया भरपूर आनंद

कभी लगे छतफाड़ ठहाके, तो किसी बोल पर ढलक गए आंसू

PHOTON NEWS JSR : होली के अवसर पर साकची स्थित रवींद्र भवन के प्रेक्षागृह में शनिवार की शाम अद्भुत रही। सुरभि संस्था के इस आयोजन में न केवल देश के चिरपरिचित कवियों ने अपनी रचनाओं से शहरवासियों का दिल जीत लिया, बल्कि पहली बार जमशेदपुर आईं मनु वैशाली व रमेश विश्वहार ने तो सबको चौंका दिया। कवियों की ज्यादातर रचनाओं पर छतफाड़ ठहाके लगे, जबकि कुछ कविताओं पर श्रोताओं के आंसू भी छलक आए। अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन की शुरूआत मनु वैशाली ने जब अलग अंदाज में सरस्वती वंदना से की, तो सबको आभास हो गया कि अपनी बारी आने पर मनु कुछ धमाल कर जाएंगी। संचालक बुद्धि प्रकाश दाधीच (केकड़ी, राजस्थान) ने इस बात का इशारा भी कर दिया था। बहरहाल, पहले कवि के रूप में मंच पर आए हेमंत पांडेय (कानपुर, उत्तर प्रदेश) ने हास्य-व्यंग्य की फुलझड़ियों से खूब गुदगुदाया, तो हंसी-मजाक में ही गंभीर बातें भी कह गए। नीरज (चोपड़ा) ने जो भाला फेंका, वो चीन की खातिर रखे हैं... पाकिस्तान को तो तीली फेंक कर मारेंगे... पंक्तियों पर हेमंत ने खूब तालियां बटोरीं। अगले ही क्रम में मनु वैशाली (शिवपुरी, मध्यप्रदेश) आ गईं। उन्होंने होली के अवसर पर मोहन-मोहिनी के शब्दों से कृष्ण व गोपियों की होली को जो बखान किया, वह गजब का रहा। बिसरानी सुध-बुध खोई खड़ी, चटकीली चितवन... जैसी बुंदेलखंडी भाषा व लहजे के साथ उन्होंने मथुरा व वृंदावन की होलियों का जो दृश्य खींचा, श्रोता उसमें खो

कविता सुनाते बुद्धि प्रकाश दाधीच व ताली बजाते मंचस्थ संदीप भोला

अर्जुन मुंडा ने किया उद्घाटन

कवि सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने किया। इस मौके पर उनकी पत्नी मीरा मुंडा, पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा, सुरभि के संस्थापक गोविंद दोदराजका सहित कई गणमान्य शहरवासी उपस्थित थे। शुरूआत में कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिपुरा झा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए दोदराजका ने कहा कि पहली बार अंत तक इतने श्रोता उपस्थित रहे, इससे बड़ी बात क्या होगी।

गए। अंत में मनु ने गांव में क्या रक्खा है... शीर्षक से जो मार्मिक गीत सुनाया, उसने इतनी तालियां बटोरीं कि मंचस्थ कवि भी मनु को दाद देते नहीं थक रहे थे। अगली कड़ी में आए देश के जाने-माने कवि सुदीप भोला (जबलपुर, मध्यप्रदेश) और उन्होंने फिल्मी पैरोडी से राजनीति के धुरंधरों की बखिया उधेड़नी शुरू की। पहली पंक्ति सुनाई, निर्मला जी ने पहली डुबकी मारी तो शेयर मार्केट भी डूबा, दूसरी डुबकी लगाई तो फिर डूबा... और डूबता गया। फिर दिल्ली चुनाव के परिणाम पर कहा कि सबसे ज्यादा दुखी जया भादुड़ी हुईं, जब उन्होंने सुना कि रेखा मुख्यमंत्री बन गईं। उन्होंने एक और मुद्दे पर पैरोडी सुनाई, ज्ञानवापी में पूजा होगी-आ गया जजमेंट... मथुरा का भी लग गया डॉक्यूमेंट...। उनकी हर पंक्ति पर श्रोता ठहाके लगा रहे थे। सुदीप भोला ने अंत में बेटियों पर एक कविता सुनाई, पापा ने हैप्पी बर्थडे पर मोबाइल मंगवाया था..., पढ़ती नहीं, पढ़ाती है, दिन भर रील बनाती है..., जिसे सुन कर श्रोता भावुक हो गए। इनके बाद रमेश विश्वहार (रायपुर, छत्तीसगढ़) आए, तो उन्हें पहली कुछ पंक्तियों-मुक्तक पर खास रिस्पांस नहीं मिला, लेकिन जब उन्होंने, चांद जरा तुम रुक जाना, पर्वत पीछे छुप जाना, आज पूनम की रात है, निकलेगी गोरी गांव की, ऋतु बसंत की अंगड़ाई उस पर मरती है... गीत सुनाया तो खूब तालियां बजीं। उनके बाद वीर-रस के जबरदस्त कवि विनीत चौहान (अलवर, राजस्थान) ने सिखों के बलिदान और कश्मीर व पाकिस्तान पर जोशीले अंदाज में कविता सुनाई, तो मणिपुर व कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म व वीभत्स हत्या पर मार्मिक कविता सुनाई, तो हर कोई भावुक हो गया। अंत में आए बुद्धि प्रकाश दाधीच (केकड़ी, राजस्थान), जो संचालन के दौरान भी श्रोताओं को हंसा रहे थे। अपनी बारी आई तो उन्होंने होली पर हिंदी व राजस्थानी में जबरदस्त हास्य पंक्तियों से लौहनगरी के श्रोताओं का दिल जीत लिया।

भारत में जन्म लेने को देवता भी करते हैं प्रार्थना : जगतगुरु

BANDGAON : शारदा द्वारिका पीठाधीशशवर जगतगुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वती जी महाराज की धर्म सभा होली के मौके पर पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत बंदगांव प्रखंड के ओटार गांव में हुई। गांव में हरिसंकीर्तन नाम जाप यज्ञ में यह ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान हुआ। धर्म सभा में जगतगुरु ने कहा कि कहने मात्र से कोई हिंदू नहीं हो जाता है। उनके माता-पिता, पूर्वज हिंदू धर्म का पालन करते हैं, इसलिए वे हिंदू हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि गौ भक्ति और पूर्वजन्म में जो विश्वास करता है, वह हिंदू है। मतलब हमें पता है कि हम देह त्याग करेंगे, लेकिन सत्कर्म करके अगले जन्म में बेहतर कुल में जन्म लेंगे। कहा कि पुराण कहते हैं कि भारत देश में जन्म लेने के लिए देवता भी याचना करते हैं।

प्रवचन देते जगतगुरु शंकराचार्य

भारत भूमि की विशेषता है कि यहां गंगा है, गौ माता हैं, तुलसी हैं। भारत में स्त्री पूजा, माता-पिता की पूजा, गुरु की पूजा होती है। ऋषि-मुनियों को जन्म इस देश में होता है। धर्म के कई अलग-अलग लक्षण होते हैं। अंत में कहा कि अधर्म का नाश हो,प्राणियों का विकास हो,विश्व का कल्याण हो। इस दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण महिला-पुरूष धर्म सभा में मौजूद रहे।

BRIEF NEWS

एसएसबी ने प्रतिबंधित दवाओं के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

ARARIYA : एसएसबी 56वीं बटालियन की बेला बीओपी की टीम ने शनिवार देर शाम भारत नेपाल सीमा से सटे बसमतिया इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाओं के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। एसएसबी ने भारत नेपाल सीमा के एक किलोमीटर के अंदर गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की। एसएसबी के बेला समवाय की छह जवानों की स्पेशल टीम ने यह कार्रवाई की। एसएसबी ने एक लाख 26 हजार रुपये के स्पेशमो प्रॉक्सीवन कैप्सूल 11 हजार 520 पीस, दो मोटरसाइकिल, दो मोबाइल, चार सीम कार्ड जब्त किया। एसएसबी ने मामले में बेला गांव के वार्ड संख्या चार निवासी 36 वर्षीय राम खेलावन पासवान पिता बच्चा पासवान और घुरना थाना क्षेत्र के महेशपट्टी वार्ड संख्या 14 के 26 वर्षीय ओमप्रकाश कर्ण पिता मुरलीलाल कर्ण को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में 5 लोग गिरफ्तार

BHAGALPUR : जिले के अंतीचक थाना अन्तर्गत पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में पुलिस ने 05 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी रविवार को डीएसपी अजय कुमार चौधरी ने दी। डीएसपी ने बताया कि बीते 14 मार्च को संध्या करीब 07:00 बजे अंतीचक थाना अन्तर्गत कासीड़ी माधोरामपुर गांव में आपसी झड़प की सूचना अंतीचक थाना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही त्वरित कर्रवाई करते हुए अंतीचक थाना की पुलिस एवं मजिस्ट्रेट घटनास्थल पर पहुंचे तथा पुलिस को देखते ही ग्रामीणों द्वारा पुलिस टीम पर पथराव कर दिया गया। जिसमें 01 पुलिस पदाधिकारी, 03 जवान एवं 01 चौकीदार चाटिल हो गए तथा वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

कोटवा के शमशाद हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

CHAMPARAN : जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में युवक शमशाद हत्या मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। युवक की हत्या व्यवसायिक प्रतिद्वंद्विता में की गयी। कोटवा थाना क्षेत्र में 13 मार्च की सुबह गढ़वा गांव के नहर के पास मक्के के खेत से 16 वर्षीय शमशाद आलम का शव पुलिस ने बरामद किया था, जिसके बाद एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर डीएसपी सदर 2 के नेतृत्व मे गठित विशेष जांच टीम ने महज 48 घंटों में हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी मुमताज आलम को गिरफ्तार करते हुए हत्या में प्रयुक्त चाकू,खून लगा शर्ट व मृतक मोबाइल भी बरामद कर लिया है। सदर डीएसपी 2 जितेश पांडे ने बताया कि मृतक राजपुर मठिया गांव निवासी अफसर मिया का बेटा शमशाद और आरोपी मुमताज दोनों एक ही जगह पर मुर्गा बेचने का व्यवसाय करते थे। शमशाद के कम दाम पर मुर्गा बेचने से मुमताज का व्यवसाय प्रभावित हो रहा था। इस बात से नाराज होकर मुमताज ने शमशाद की हत्या कर दी।

कार्यक्रम कांग्रेस के पलायन रोको और रोजगार दो पदयात्रा से युवाओं में जगी उम्मीद

बिहार के कांग्रेस प्रभारी ने कहा, पलायन और बेरोजगारी एक गंभीर समस्या

- विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने शुरू की तैयारी
- पदयात्रा बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पटना तक जाएगी
- पदयात्रा के माध्यम से पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे पर कांग्रेस युवाओं को करेगी जागरूक
- कांग्रेस का यह आंदोलन बिहार में बदलाव की दिशा में अहम

AGENCY CHAMPARAN : बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलो ने तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और पलायन को मुख्य मुद्दा बनाया है, जिसे लेकर रविवार को चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से युवा कांग्रेस और एनएसयूआई पदयात्रा कर रहा हैं। पदयात्रा बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पटना तक जाएगी।

पदयात्रा को लेकर मोतिहारी में पहुंचे कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह का रविवार को पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय (गप्पू राय) के नेतृत्व में कार्यकताओं ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मोतिहारी स्थित डाक बंगला में एक प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया, जिसे संबोधित करते हुए कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू व प्रदेश अध्यक्ष डा.अखिलेश प्र.सिंह ने कहा कि राज्य में युवाओं की स्थिति चिंताजनक है। पलायन और बेरोजगारी बिहार की स्थिति को जर्जर बना रख दिया है। कांग्रेस पदयात्रा के माध्यम से पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे पर युवाओं जागरूक करना चाह रही है, ताकि यह प्रश्न सरकार से पूछा जाय कि आखिर बिहार कब तक पलायन और बेरोजगारी की त्रासदी झेलता रहेगा। उन्होने कहा बिहार में पेपर लीक होना को आम बात हो गई है। उन्होने बताया कि कांग्रेस की यह आंदोलन को बिहार में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। श्री अल्लावरू ने इस मौके पर कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बिहार के सभी युवाओ से इस पदयात्रा में शामिल होने की अपील भी की।

नवादा में विवाद सुलझाने गई पुलिस टीम पर हमले में जमादार सहित तीन घायल, 8 गिरफ्तार

AGENCY NAVADA : बिहार में पुलिस बल पर लगातार हो रहे हमलों से प्रशासन सकते में हैं। बीत तीन दिन में बिहार के अररिया, मुंगेर, भागलपुर और आज नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के लेंगुरा पंचायत में उग्र भीड़ ने पुलिस बल पर हमला बोल दिया। पुलिस के मुताबिक नवादा जिले के तुलसी बिगहा गांव में रविवार को पति-पत्नी के बीच हुए विवाद को सुलझाने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों के द्वारा हमला बोल दिया गया। जिससे कई पुलिसकर्मी सहित थाना के सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि तुलसी बिगहा निवासी उषा देवी थाना पहुंची और पति और सास की प्रताड़ना से तंग आकर आवेदन दिया और न्याय की गुहार लगाई। आवेदन प्राप्ति के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए पीड़ित उषा देवी के साथ रजौली थाना के पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक सत्येंद्र सिंह,पीटीसी सुरेंद्र राम के साथ सशस्त्र बल को भेजा गया। पीड़िता के पति वीरू यादव को पुलिस कर्मियों के द्वारा समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन पीड़ित महिला को देखते ही उक्त गांव के लोग उग्र हो गए और पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। जिससे पुलिस का सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उग्र भीड़ ने सशस्त्र बल का राइफल छीनने का भी प्रयास किया । इसके बाद उग्र भीड़ के द्वारा किए गए हमले में एक पुलिस पदाधिकारी घायल हो गए।

घटना की सूचना पाकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए छापेमारी टीम का गठन किया। उक्त स्थान पर जाकर छापेमारी अभियान चलाकर पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रोहतास में मां-बेटी की हत्या, पिता-पुत्र गिरफ्तार

AGENCY ROHTAS : बिहार में रोहतास जिले के चुटिया थाना क्षेत्र के तिअरा खूर्द पंचायत के चरनी पहाड़ी के नीचे पांवर सब स्टेशन के पास मां पार्वती देवी (48)बेटी प्रतिमा कुमारी (20)की हत्या पिता रामनाथ राम व पुत्र छोटू उर्फ लुल्हा ने मिलकर शनिवार को कर दिया। एसपी रौशन कुमार के अनुसार पुलिस को सूचना मिली की तियरा कला पहाड़ी के पास पावर ग्रिड के बगल के बाजार में सिंचाई हेतु लगे मोटर के पास से दो महिला का शव पड़ा है। इस संबंध में मृतिका के पति व पुत्र ने बताया कि विद्युत मोटर चलाने के क्रम में करेंट लगने से दोनों को मौत हुई है। उन्होंने बताया कि शव को देखने से पता चला कि दोनों की हत्या गला घोट कर की है। उन्होंने बताया कि एसडीपीओ दो वंदना के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। जिसमें तकनीकी सहायता के लिए डीआईओ की टीम को शामिल किया गया। पिता और पुत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। बताया गया कि मृतिका प्रतिमा को शादी झारखंड में तय किया गया था। वह वहां शादी नहीं करना चाहती थी। वह अपने पसंद के एक शादी शुदा व्यक्ति से शादी करना चाहती थी। जिसका समर्थन उसकी मां कर थी। लेकिन उसके पिता व पुत्र को यह पसंद नहीं था। उन्होंने बताया कि नाराज पिता व पुत्र ने प्रतिमा को हत्या की योजना बनाई। शनिवार सुबह पिता व पुत्र ने दुप्पटा से गला दबाकर प्रतिमा को हत्या कर दी। आवाज सुनकर मां जगी और बेटी को मृत देखकर चिल्लाने लगी। पकड़े जाने के भय उसके साड़ी के पल्लू से गला दबाकर उसकी हत्या कर दिया।

साढ़ू ने कार से मारी टक्कर, बाइक सवार छोटे साढ़ू की मौत

AGENCY DEHRI : रोहतास जिले में काराकाट थाना क्षेत्र के करूप- गोपालपुर पथ पर करूप काली स्थान के समीप शनिवार को साढ़ू ने कार से अपने छोटे साढ़ू व बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे छोटे साढ़ू की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक 55 वर्षीय सुभाष सिंह संझौली थाना क्षेत्र के मोतिहारी निवासी रामसकल सिंह के पुत्र थे। घटना के बाद कार चालक अपनी गाड़ी वहीं छोड़ खुद भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक व कार अपने कब्जे में करते हुए शव को अंत्यपरीक्षण के बाद स्वजनों को सुपुर्द कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार सुभाष सिंह फिलहाल अपने ससुराल करूप टोला पर ही रहते थे। होली के दिन दोपहर में किसी कार्यवश या फिर लोगों से मिलने अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इस बीच पीछे से कार से आ रहे उनके बड़े साढू ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक समेत सवार उछल कर पास के तालाब में जा गिरा। किसी तरह उन्हें पानी से निकाल इलाज के लिए बिक्रमगंज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया।

205 बोरा यूरिया के साथ चार वाहन, नकद के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, गोदाम सील

AGENCY ARARIYA : भारत-नेपाल सीमा के पास से एसएसबी 56वीं बटालियन की टीम ने नरपतगंज और फुलकाहा थाना पुलिस और कृषि विभाग की टीम के साथ शनिवार की मध्य रात्रि छापेमारी कर तीन चार पहिया और एक दो पहिया वाहन समेत 2 लाख 1 हजार 80 रुपये,205 बोरा यूरिया को बरामद किया।

एसएसबी की 16 सदस्यीय टीम ने सबसे पहले गुप्त सूचना पर रात्रि करीबन 11 बजे फुलकाहा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चौक हनुमान मंदिर के पास कार्रवाई करते हुए 9 हजार 225 किलो यूरिया जो 205 बोरा में था को जब्त किया।यह यूरिया चार पहिया वाहन टाटा इंट्रा, महिंद्रा सुप्रो, सुरो मैक्सी ट्रक, एक टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल के साथ चारोबाइल और 2 लाख 1 हजार 80 रुपए बरामद किए। मामले में मो.सलमान पिता मो.मंजूर, मो.गुलाब पिता मो.रब्बी मियां और रंजीत कुमार पिता उमा बुधनगरिया को हिरासत में लिया। पूछताछ के क्रम में नरपतगंज के रजिस्टर्ड खाद विक्रेता सीकम लाल भगत के माल होने की जानकारी मिलने के बाद देर रात ही नरपतगंज और फुलकाहा थाना पुलिस और नरपतगंज कृषि विभाग की टीम के साथ सीकम लाल भगत के गोदाम में छापेमारी की गई,जहां भी गोदाम और बाहर में रासायनिक खाद पाए गए।टीम की ओर से दो अलग अलग स्थानों से 55 बोरा रासायनिक खाद जब्त किया गया।

पुलिस ने हत्याकांड-लूटकांड के आरोपी के घर चस्पा किया इश्तेहार

AGENCY ARARIYA : जिले की बैरगाछी थाना पुलिस ने रविवार को ढोल नगाड़ों के साथ हत्याकांड और लूटकांड के लंबे अर्से से फरार चल रहे आरोपितों के घर इश्तेहार चिपकाया। फरार आरोपितों के द्वारा आत्मसमर्पण नहीं किए जाने की स्थिति में कुर्की जब्ती करने की धमकी दी। बैरगाछी थानाध्यक्ष जूली कुमारी के साथ एसआई श्याम कुमार समेत भरी संख्या में पुलिस अधिकारी जवान मौके पर मौजूद थे।ढोल नगाड़ों की धुन के साथ पुलिस के जमावड़े को लेकर मौके पर भरी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।पुलिस ने बैरगाछी थाना कांड संख्या- 36/24 दिनांक- 18/06/24, धारा- 302/34 भादवि एवं बैरगाछी थाना कांड संख्या- 786/23, दिनांक- 08/08/23, धारा- 392 भादवि के फरार अभियुक्तों के घर विधिवत इश्तिहार चिपकाया। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने आत्मसमर्पण नहीं करने पर सम्पत्ति की कुर्की जब्ती करने की धमकी दी।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, एएसआई सहित दो घायल, 10 आरोपी गिरफ्तार

AGENCY NAVADA : नवादा जिले में को आकोल थाने के सोखोदेवरा गांव में होली पर्व में कहासूनी को लेकर रविवार को दो दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प में ए एस आई सहित तीन घायल हो गए। जिसके बाद स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नवादा के डीएम रवि प्रकाश एवं एसपी अभिनव धीमान को स्वयं कमान कमान सम्भालनी पड़ी। फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन पूरी तरह प्रशासनिक नियंत्रण में है। गांव में काफी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस संवेदनशील है।

पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी के कहा कि प्रशासन की मौजूदगी में दो पक्षों में रोड़ेबाजी की घटना घटित हो गई। जिसमें एक पुलिस पदाधिकारी पीटीसी रंजीत रंजन आंशिक रुप से घायल भी हो गए। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों से दस लोगों को हिरासत में लेकर कौआकोल थाना ले आई। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में होली के एक दिन पूर्व शुक्रवार को भी सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर विवाद हुआ था। परंतु प्रशासन द्वारा उसे सुलझा लिया गया। जिसके बाद पुनः विवाद उत्पन्न हो गया।

थानाध्यक्ष दीपक कुमार के अनुसार पर्व में अशांति फैलाने सहित विभिन्न मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। रविवार को कौआकोल थाना परिसर में दोनों पक्षों के गणमान्य लोगों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक भी आयोजित की गई।

बाइक से बुजुर्ग को लगी ठोकर भीड़ ने एक युवक को पीटा, मौत

AGENCY ARARIYA : अररिया के बौंसी में बाइक से जोरदार टक्कर होने से आज एक बुजुर्ग की मौत हो गयी। मौके पर जमा हुई भीड़ ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी, जिसमे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया उसे आनन फानन में पूर्णिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।बताया जा रहा है कि इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक अररिया जिला के नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के डुमरीया वार्ड नंबर 12 निवासी नीरज कुमार मंडल है। मृतक के भाई संजीव कुमार ने बताया कि 11 मार्च को नीरज अपनी पत्नी के साथ पूर्णिया जिले के सिंघिया से रात 9 बजे घर लौट रहे थे। तभी बौसी सिंघिया बॉर्डर के पास उनकी बाइक से एक बुजुर्ग को ठोकर लग गई। इसके बाद बुजुर्ग के परिजन और स्थानीय लोगों ने मिलकर नीरज को खूब पिटा, जिससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बौसी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेजा। बौसी थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मृतक के परिजन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

2023 बैच के बिहार कैडर के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, सीएम ने कहा-

सरकार की नीतियों को क्रियान्वित करने में अधिकारियों की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी

AGENCY PATNA : रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर 2023 बैच के बिहार कैडर के 10 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान गरिमा लोहिया, तुषार कुमार, अनिरूद्ध पाण्डेय, कृतिका मिश्रा, आकांक्षा आनंद, प्रद्युम्न सिंह यादव, अंजली शर्मा, रोहित कर्दम, शिप्रा विजय कुमार चौधरी एवं नेहा कुमारी ने अपनी ट्रेनिंग के दौरान जिले में किए गए कार्यों के संबंध में अनुभव साझा किए।

इन 10 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों में 06 महिलायें और 04 पुरुष हैं। इनमें 05 बिहार के, 04 उत्तर प्रदेश और 01 राजस्थान के रहने वाले हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि आप लोगों ने अपने अनुभव साझा किए, यह सुनकर अच्छा लगा। आपलोग अभी ट्रेनिंग पीरियड में हैं, उसके बाद आपलोगों की पोस्टिंग होगी। सरकार नीति बनाती है और उसे क्रियान्वित करने में आईएएस अधिकारियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप 10 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों में 06 महिलायें हैं, यह बहुत खुशी की बात है। महिलायें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं इससे मुझे काफी प्रसन्नता होती है। हमलोगों ने पंचायत चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। ऐसा करनेवाला बिहार देश में पहला राज्य बना। महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने से बड़ी संख्या में महिलाएं समाज में प्रतिनिधित्व करने आगे आ रही हैं। पुलिस में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। बिहार में जितनी महिलाओं की संख्या पुलिस में है, उतनी देश में कहीं नहीं हैं। राज्य के सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

नवादा में नदी व तालाब में डूबकर दो युवकों की मौत

AGENCY NAVADA : जिले के सिरदला तथा पकरीबरावां में रविवार को नदी व तालाब में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई है। जिले के पकरीबरावां थाने के कबला गांव में पारस सिंह के पुत्र पीयूष कुमार की तलब में डूबने से मौत हो गई। वही सिरदला थाना क्षेत्र के राजन गांव निवासी पिंटू यादव की मौत गहरी नदी में डूबने से हो गई।

पुलिस के अनुसार दुबरी बीघा गांव के पैतीस वर्षीय पिंटू यादव शौच के लिये पास के धनार्जय नदी की ओर गया था। जहां पैर फिसल जाने के कारण नदी के गहरे पानी में जाने के कारण दम घुटने के कारण मौत हो गई।जब ग्रामीणों को पता चला तो काफी देर हो चुकी थी। घटना कि सूचना के बाद ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचकर शव को नदी से निकाल कर पुलिस प्रशासन को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग कर रहे थे। वहीं ग्रामीण राजन घाट से बालू खनन कर रहे संवेदक पर आरोप लगा रहे थे कि बालू उठाव के कारण नदी के बीचों बीच ज्यादा गढ़ा कर दिए जाने के कारण घटना घटी है , वहीं ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे थे कि आखिर नदी में इतनी गहराई क्यों किया गया था।क्या गहराई से बालू उठाव का आदेश था।अगर था तो आदेश दिखाएं,अन्यथा हजार्ना दें। ग्रामीण उग्र हो कर वरीय अधिकारी से जांच की मांग कर रहे थे।

अविश्वसनीय साबित होते ट्रंप फैसलों में दिख रही अस्थिरता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़बोलापन किसी से छिपा नहीं। वह किसी भी मामले में कुछ भी अप्रत्याशित कह देते हैं। वह असत्य और अर्द्धसत्य भी जोरदारी से कहते हैं। ट्रंप अपने इस कार्यकाल में वे सारे काम करने को उतावले हैं, जो पिछली पारी में नहीं कर पाए थे, लेकिन वह अपने कथनों और फैसलों को लेकर अस्थिर और अविश्वसनीय भी दिख रहे हैं। वह उन सभी देशों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा कर रहे हैं, जो अमेरिका पर अधिक आयात शुल्क लगाते हैं। इसकी शुरूआत उन्होंने मेक्सिको, कनाडा और चीन से की, लेकिन फिर उन्होंने मेक्सिको और कनाडा पर टैरिफ लगाना एक माह के टाल भी दिया। यह साफ है कि वह व्यापार घाटे को खत्म करने की जल्दी में हैं। उनकी ओर से छेड़े गए टैरिफ वार का शायद चीन पर सबसे अधिक असर पड़ेगा। उसने पलटवार करते हुए अमेरिका पर टैरिफ बढ़ाते हुए कहा है कि वह उसके साथ हर तरह की जंग लड़ने को तैयार है। यदि ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के जवाब में चीन की तरह अन्य देशों ने भी टैरिफ बढ़ाया तो अमेरिका को इन देशों से आने वाली वस्तुएं महंगी मिलेंगी या फिर अन्य किसी देश से खरीदने पड़ेंगी। इससे बेपरवाह ट्रंप यह जताना चाहते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बचाने में वही सक्षम हैं। उनके अड़ियल रवैये से यही लग रहा है कि विश्व भर में स्टाक मार्केट में उथलपुथल का जो दौर शुरू हुआ, वह आगे भी जारी रहेगा। ट्रंप ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में भारत का नाम न जाने कितनी बार ले चुके हैं। गत दिवस उन्होंने फिर भारत को बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश बताते हुए यह दावा किया कि भारत टैरिफ में उल्लेखनीय कमी करने को तैयार हो गया है, जबकि भारत की ओर से ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई है। वैसे भी अभी टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों में वार्ता जारी है। इसके पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह 2 अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लगाएंगे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में यह तय हुआ था कि दोनों देश शीघ्र ही व्यापार समझौता करेंगे। ट्रंप मूलतः एक व्यवसायी हैं। वह भारत सहित अन्य देशों के रिश्तों को केवल आर्थिक चश्मे से देख रहे हैं। फिलहाल भारतीय उद्योगपति मान रहे हैं कि अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाने से भारतीय निर्यात पर अधिक असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ट्रंप के मनमाने रवैए को देखते हुए यह कहना कठिन है कि ऐसा ही होगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। पिछले साल दोनों देशों का व्यापार 130 अरब डालर था। दोनों देश 2030 तक इसे 500 अरब डालर तक ले जाना चाहते हैं। दोनों देशों के कारोबारियों ने एक-दूसरे के यहां भारी निवेश कर रखा है। इसके अलावा बड़ी संख्या में भारतीय नौकरी के लिए अमेरिका जाते हैं, लेकिन अनेक ऐसे भी हैं, जो वहां अवैध तरीके से जाते हैं। ट्रंप अपने यहां अवैध रूप से पहुंचे भारतीयों को निकालने में लगे हुए हैं। वैसे तो ऐसे भारतीय पहले भी वहां से निकाले गए हैं, लेकिन इस बार ट्रंप उन्हें बहुत अपमानजक तरीके से निकाल रहे हैं। वे उन्हें हथकड़ी-बेडी लगाकर भेज रहे हैं। माना जाता है कि ऐसा करके वह भारत को यह राजनीतिक संदेश दे रहे हैं कि उसे आर्थिक-व्यापारिक मामले में उनके समक्ष झुकना ही पड़ेगा। देखना है कि भारत उनका सामना किस तरह करता है। ट्रंप यूक्रेन और रूस की लड़ाई अपनी शर्तों पर खत्म करने में भी जुट गए हैं। इससे यूक्रेन असहाय सा दिख रहा है। यह पहली बार नहीं, जब अमेरिका ने किसी देश को पहले सहायता देकर बाद में अधर में छोड़ा हो। ट्रंप और उनके साथियों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का जिस तरह व्हाइट हाउस में अपमान किया, वह अप्रत्याशित है। ऐसा व्यवहार अमेरिका जैसे देश को शोभा नहीं देता। इस व्यवहार से यही धारणा बनी कि ट्रंप अक्खड़ हैं और उन पर भरोसा करना खतरे से खाली नहीं। ट्रंप और पुतिन के संबंध पहले से ही प्रगाढ़ रहे हैं। यह साफ है कि वह अमेरिका और रूस की तनातनी आगे नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन इस फेर में यूक्रेन का संकट और यूरोप की चिंता तो बढ़ ही रही है, भरोसेमंद देश के रूप में अमेरिका की छवि भी नष्ट हो रही है। ट्रंप कितने अस्थिर हैं, इसका पता इससे चलता है कि अब वह रूस पर भी नए प्रतिबंध लगाने की बात कर रहे हैं। ट्रंप ने बीते 40 दिनों में धड़ाधड़ प्रशासनिक आदेशों के जरिये जो तमाम फैसले लिए हैं, उनमें से अनेक का विरोध हो रहा है और कुछ पर तो अदालतों ने रोक भी लगा दी है। अमेरिकी न्यायपालिका स्वतंत्र और सशक्त है। उसके समक्ष ट्रंप मनमानी नहीं कर सकते। हैरानी नहीं कि उनके कई फैसले अधर में पड़ जाएं। तथ्य यह भी है कि उनके कुछ फैसलों का जब तक संसद से अनुमोदन नहीं होता, तब तक उन पर अमल संभव नहीं। ट्रंप ने खर्च घटाने के लिए जिस सरकारी दक्षता विभाग की कमान कारोबारी एलन मस्क को सौंपी है, उसकी अनुशंसा से वह अमेरिकी एजेंसी यूएसएड के जरिये विश्व के अनेक देशों को दी जाने वाली सहायता पर भी रोक लगा रहे हैं। उन्होंने कई देशों को विभिन्न मदों में दी जा रही अमेरिकी सहायता को लेकर अपने ही लोगों को भ्रष्टाचार में लिप्त बता दिया है। पता नहीं उनके दावों में कितना सच है, लेकिन कई मामलों से यह प्रश्न उठता है कि यूएसएड विभिन्न देशों को सहायता दे रहा था या फिर वहां अनुचित दखल दे रहा था? ट्रंप ने सामाजिक सुरक्षा के नाम पर दी जा रही सहायता पर जो गंभीर सवाल उठाए हैं, वे भी अमेरिकी शासन तंत्र में भ्रष्टाचार की ओर संकेत करते हैं।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र

ANALYSIS

✍ डॉ. सत्यवान सौरभ

आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतरराष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेजी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग दो से 3 लाख रुपये खर्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली हुई है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेश में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहां चिकित्सा नियम ढीले होते हैं। चूंकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20 हजार से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन, कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुंच में देरी होती है, क्योंकि उन्हें फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन लेने वाले 32 हजार भारतीय छात्रों में से केवल चार हजार ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाए और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे के अतिरिक्त जोखिम हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24 हजार से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुकसान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10 हजार और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। भारत में 75 हजार अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच बढ़ी है। उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना जरूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतरराष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं। चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मजबूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर जोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना जरूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन जरूरी है। एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी), भारत और विदेश दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मजबूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक कदम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुंच में सुधार कर सकता है। भारत में चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएं तर्कहीन हैं। बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त जरूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

वैचारिक अंतर्द्वंद्व से घिरी कांग्रेस

हाल में राहुल गांधी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने अहमदाबाद में प्रमुख नेताओं के साथ बैठक में अपने नेताओं को दूसरी पार्टी यानी भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाने से लेकर उन्हें बारात के घोड़े तक की संज्ञा दे दी। उन्होंने भाजपा से मिलकर काम करने वाले 30-40 कांग्रेस नेताओं को निकालने की भी बात कही। गुस्से या खीझ में वक्तव्य देने का केवल गुजरात नहीं, पूरे देश के आम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के अंदर संदेश सकारात्मक नहीं गया होगा। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकार कह सकते हैं कि कांग्रेस को जगह-जगह चुनावी जीत दिलाना और राष्ट्रीय स्तर पर भी सत्ता में लाना है तो भितरघात करने वालों तथा पार्टी के विचार और लक्ष्य के अनुरूप न काम करने वालों को बाहर करना पड़ेगा। किसी पार्टी में अगर भितरघाती सक्रिय हों तो इसे सामान्य भाषा में गद्दारी कहते हैं। राहुल की बातों को स्वीकार कर लें तो उन्हें दूसरे दल से मिलकर काम करने वाले नेताओं को बाहर करने से रोकने वाला कोई नहीं है, किंतु यह इतना सामान्य नहीं है। उन्होंने जो कहा, उसका निहितार्थ उतना सपाट भी नहीं है। काफी समय से कांग्रेस में वैचारिक अंतर्द्वंद्व जारी है जो समय-समय उभरता रहता है। केरल में तिरुअनंतपुरम से सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर का मामला सामने है। चूंकि थरूर बड़े नेता हैं, इसलिए उनका मामला देशव्यापी चर्चा में आ गया। हर राज्य में ऐसे नेताओं की बड़ी संख्या है, जिन्हें इसी तरह संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जिस पार्टी के अंदर एक दूसरे को लेकर संदेह का माहौल हो, कल्पना कर सकते हैं कि उसकी दशा क्या होगी। थरूर ने अपने लेखन और वक्तव्य से ऐसे वैचारिक बदलाव का कोई संकेत दिया नहीं है कि वह आरएसएस और भाजपा की विचारधारा के निकट हैं। यह अलग बात है कि सरकार की कई नीतियों खासकर मोदी सरकार की विदेश नीति पर उनके वक्तव्य व्यावहारिक तथ्यों के साथ रहे हैं। सही को सही कहना भी किसी पार्टी में भाजपा समर्थन या आंतरिक अनुशासन तोड़ना है तो इसका कोई रास्ता नहीं है। एक समय प्रधानमंत्री मोदी ने भी तो थरूर के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण की प्रशंसा की थी। वर्तमान भारतीय राजनीति का सच यह है कि हर पार्टी में प्रकट या मौन हिंदुत्व समर्थक बढ़े हैं। कुछ नेताओं और पार्टियों का इस सच से सामना हुआ है कि किसी भी स्थिति में हिंदुत्व विरोधी दिखने से उनके जनाधार पर विपरीत असर पड़ेगा। उन्हें सार्वजनिक तौर पर स्वयं को हिंदुत्वनिष्ठ-धर्मनिष्ठ प्रदर्शित करना पड़ रहा है। ऐसा करते हुए वे संघ और भाजपा को गलत हिंदुत्ववादी बताते हैं। एक समय राहुल और उनके पूर्व के रणनीतिकार भी धर्मनिष्ठ होने का प्रदर्शन कर रहे थे। वह मंदिर-मंदिर जा रहे थे। उस समय राहुल को जनेऊधारी हिंदू ब्राह्मण बताया गया था। उनकी कैलास मानसरोवर की यात्रा तक हुई। इसके पीछे रणनीति यही थी कि प्रधानमंत्री मोदी का सामना करना है तो कांग्रेस और उसके नेतृत्व को भी हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रवाद पर आना पड़ेगा। कांग्रेस के अनेक नेता सार्वजनिक मंचों से स्वयं को हिंदू और धर्मनिष्ठ कहने लगे थे। क्या वे भाजपा, संघ या मोदी समर्थक हो गए थे। इस समय भारत सहित विश्व भर में एक अजीब किस्म के वामपंथ का प्रभाव दिख रहा है, जो राष्ट्र-राज्य से लेकर सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक मामलों और पर्यावरण, विकास, शिक्षा आदि पर अतिवादी विचार अभियान चला रहा है। सारे प्रमुख देशों में इसका असर दिख रहा है। यह सीधे-सीधे नए तरह का फंडामेंटलिज्म है, जिसका भावानुवाद धार्मिक कट्टरता नहीं हो सकता। विदेश यात्राओं में राहुल गांधी को समय-समय पर ऐसे लोगों या समूहों के साथ देखा गया है। उनके रणनीतिकार और सलाहकारों में भी ऐसे लोग हैं। राहुल गांधी का एक आक्रामक वामपंथी नेता का स्वरूप सामने आया है। यह स्वरूप मोदी या हिंदुत्व विचार के पुरोधाओं के विरुद्ध वैचारिक फंडामेंटलिज्म की श्रेणी में ही आएगा। इसमें वोट के लिए कट्टर मुस्लिमवाद को प्रश्रय देने का व्यवहार अपने आप शामिल हो जाता है। गुजरात में कांग्रेस जिले-जिले से टूट कर भाजपा में समाहित होती गई। अन्य राज्यों में भी कांग्रेस की दुर्दशा है। इसके कारणों को समझना होगा। कांग्रेस के अंदर नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य का गंभीर संकट पैदा हुआ है। असंतुष्ट खेमे जी-23 के पीछे सतह पर अनेक कारण थे, लेकिन उनमें एक प्रमुख वैचारिकी भी था। इन नेताओं को लगा कि देश की मुख्य भावना के विरुद्ध अतिवादी विचार से कांग्रेस का और बंटाधार होगा। राहुल के कई पूर्व निकटस्थ विश्वसनीय सलाहकार मुख्यधारा से बाहर हुए या नेपथ्य में चले गए। भारत की तासीर धर्म और अध्यात्म है। इसका मूल हिंदुत्व में है। हमारा राष्ट्रभाव इसी से उत्प्रेत है। सेक्युलरवाद हमारे यहां सर्वपंथ समभाव है। सच यह है कि राहुल और उनके रणनीतिकारों के व्यवहार से पार्टी के अंदर बड़ी संख्या में लोग असहज महसूस करते हैं। उदाहरण के लिए जब मोदी सरकार अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाने का विधेयक लाई तो कांग्रेस नेतृत्व के विपरीत कई नेताओं ने उसका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि 370 हटाना बिल्कुल सही है। अयोध्या में मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर भी लगभग हर राज्य से कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व की भावनाओं के परे रुख अपनाया। महाकुंभ में आध्यात्मिक-सांस्कृतिक-पुनर्जागरण का जो विराट रूप दिखा, वह बदलते भारत का प्रमाण था, जिसे हर पार्टी के नेताओं का बड़ा वर्ग प्रत्यक्ष महसूस कर रहा था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के इस वक्तव्य से बड़े वर्ग की असहमति थी कि क्या गंगा नहाने से गरीबी मिट जाएगी। अनेक कांग्रेसी नेता संगम में डुबकी लगाने गए।

Social Media Corner

सच के हक में...

केंद्रीय मंत्री सी.आर पाटिल जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वे हमारे जल संसाधनों का प्रभावी ढंग से दोहन सुनिश्चित करने के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे हैं, ताकि जीवन को आसान बनाया जा सके और हमारा हर घर जल का सपना साकार हो सके। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मैंने आशंका व्यक्त की थी कि होली के दिन गिरिडीह के घोड़थंबा में हुई हिंसा मामले में प्रशासन उपद्रवियों का बचाव करते हुए मामले को संतुलित दिखाने के लिए पीड़ित हिंदू पक्ष पर कारवाई कर सकती है। अब इस मामले में दर्ज एफआईआर को देखने से ऐसा लगता है जैसे यह कोई शिकायतवाद नहीं, बल्कि हिंदुओं पर हुए हमले का एक पूर्व नियोजित खाका हो। एफआईआर में जिस प्रकार से घटना को वर्णित किया गया है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस-झामुमो के शासन में हिंदुओं ने होली मनाकर कोई अपराध कर दिया है। यदि हिंदू अपना त्योहार मनायेंगे तो उनपर बोतल बम और पत्थर से हमला होगा, फिर उसके बाद घटना का दोषी बताते हुए उनपर ही मुकदमा भी दर्ज होगा!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

औरंगजेब से त्रस्त 'इंडिया' गठबंधन के घटक

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले अपने बयान को वापस ले लिया, लेकिन वह राजनीतिक बहस और विवाद के केंद्र में बने हुए हैं। इसी बीच कुछ और लोगों को औरंगजेब दयालु दिख गया और उन्होंने भी उसकी प्रशंसा के पुल बांधने में संकोच नहीं किया। इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि औरंगजेब एक कट्टर और क्रूर शासक था। आखिर जो अपने सगे भाई दारा शिकोह का सिर कलम करके उसका सिर तश्तरी में रखकर पिता शाहजहां को भेंट करने की हिमाकत करे, उससे निकृष्ट और कौन होगा। उसकी करतूतों का कच्चा चिट्ठा खुद उसके दरबारी लेखक सकी मुस्तैद खान ने मआसिर-ए-आलमगिरी में लिखा है। वास्तव में इसी कारण करीब-करीब सभी इतिहासकार इस पर एकमत हैं कि औरंगजेब सबसे क्रूर शासक था और उसकी सनक भरी हरकतों की वजह से ही मुगल शासन का पतन हुआ। इसके बाद भी भारत और पाकिस्तान में उसका महिमामंडन करने वालों की कमी नहीं। पता नहीं क्यों, कुछ मुसलमानों को यह लगता है कि औरंगजेब चाहे लाख बुरा हो, लेकिन मुसलमान होने के नाते उसकी सराहना करना उनका मजहबी फर्ज है। कुछ लिबरल किस्म के बुद्धिजीवियों को भी यही लगता है कि वे जब तक औरंगजेब को महान और दयालु शासक नहीं कह देते, तब तक उनके लिए खुद को सेक्युलर साबित करना कठिन होगा। इस कारण वे भी औरंगजेब और ऐसे ही आक्रांताओं का गुणगान करना अपना सेक्युलर फर्ज समझते हैं। यह तो गनीमत रही कि अबू आजमी औरंगजेब का महिमामंडन करने से पीछे हट गए अन्यथा वह विपक्षी दलों के मोर्चे आईएनडीआईए (इंडिया गठबंधन) के समक्ष बड़ा संकट खड़ा करने वाले थे। वैसे यह संकट अभी टला नहीं है। महाराष्ट्र के राजनीतिक दलों के लिए यह संभव नहीं कि वे औरंगजेब का महिमामंडन सहन कर सकें। इनमें भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के दोनों घटक ही नहीं, कांग्रेस भी है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब सपा प्रमुख अखिलेश ने औरंगजेब की सराहना पर अबू आजमी के महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबन पर अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि उन्हें निलंबित कर सच की जुबान पर लगाम नहीं लगाई जा सकती तो उद्धव ठाकरे ने उन्हें नसीहत देने में देर नहीं की। जैसे अबू आजमी ने आईएनडीआईए नेताओं के समक्ष धर्मसंकट खड़ा कर दिया था, वैसे ही एक समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि ने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया बताते हुए उसके खात्मे की जरूरत जताकर आईएनडीआईए को बगलें झांकने को मजबूर कर दिया था। उनसे उदयनिधि की बेहूदा टिप्पणी न तो निगलते बन रही थी और न ही उगलते। चूंकि सनातन धर्म के खात्मे की जरूरत जताने वाला बयान घोर आपत्तिजनक था, इसलिए आईएनडीआईए के कई घटकों के नेताओं को दबे-छिपे स्वरों में उदयनिधि को नसीहत देनी पड़ी। ऐसी ही नौबत तब आई थी, जब कुछ तथाकथित सेक्युलर और समाजवादी नेताओं ने रामचरितमानस के खिलाफ टिप्पणियां करनी शुरू कर दी थी। अभी हाल में महाकुंभ को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी भी विपक्षी गठबंधन के नेताओं के लिए मुसीबत बन गई थी। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तो खड़गे की टिप्पणी की परवाह न करते हुए संगम में डुबकी लगाना भी पसंद किया। इनमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी थे। भारत में सेक्युलरिज्म की जैसी विकृत अवधारणा अपना ली गई है, उसके चलते खुद को सेक्युलर कहने वाले लोगों की ओर से औरंगजेब सरीखे आक्रांताओं का महिमामंडन करना, सनातन धर्म और उसकी परंपराओं का दकियानूसी बताना आवश्यक हो जाता है। इसी कारण कथित सेक्युलर दलों की ओर से अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध होता रहा। इस विरोध का नतीजा यह हुआ कि सेक्युलरिज्म की पोल खुल गई और यह प्रमाणित हो गया कि वह छद्म सेक्युलरिज्म है।

स्वागतयोग्य पहल

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के नवनियुक्त आयुक्तों ने चुनाव प्रक्रियाओं को मजबूत करने के वास्ते संवाद के लिए राजनीतिक दलों के नुमाइंदों व नेताओं को आमंत्रित करने की पहल की है, जो एक स्वागतयोग्य कदम है। यह कदम मतदाता पंजीकरण व मतदान प्रतिशत और चुनाव संचालन से जुड़े अन्य मुद्दों के संबंध में विपक्ष की बढ़ती शिकायतों के चलते उठाना पड़ा। चुनाव आयोग ने प्रांतीय अधिकारियों को दलों के नुमाइंदों के साथ नियमित आधार पर संवाद करने का निर्देश दिया है, साथ ही राजनीतिक दलों को संबंधित मुद्दों पर सुझाव जमा करने को भी कहा है। पिछले दिनों आयोग ने विपक्ष की शिकायतों की प्रतिक्रिया में असामान्य रूप से आक्रामक भंगिमा दिखाई थी। इसमें मतदान प्रतिशत के आंकड़े प्रकाशित करने में अनुचित देरी जैसी वाजिब शिकायतों को खारिज करना और आलोचकों को फटकारने की हद तक चले जाना भी शामिल था। इस तरह के हाव-भाव ने राजनीतिक दलों के बीच अविश्वास और गहरा किया। विपक्ष ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली जैसे मुद्दों पर इतना संशय पैदा कर दिया है कि अधिकतर मतदाताओं के मन में संदेह का वातावरण घर कर चुका है, लेकिन आयोग भी इलेक्ट्रॉनिक मतदान से जुड़ी चुनाव प्रक्रिया की मजबूती के बारे में मतदाताओं को आश्वस्त करने के लिए अधिक प्रयास कर सकता था। अन्य जायज मुद्दों में चुनाव प्रचार का नियमन, नफरती भाषण के खिलाफ कार्रवाई और विभिन्न स्तरों पर चुनाव घोषणा का वक्त शामिल हैं। इनकी भी गहन समीक्षा की जरूरत है और आयोग को इन मुद्दों पर अपने काम करने के तरीके की आलोचना के प्रति सहनशील होना होगा। आयोग के गठन और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का सवाल भी है, लेकिन यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के हाथ में है। आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र की सबसे खास खूबियों में से एक है निर्वाचन आयोग का क्रमिक विकास और समय-समय पर होने वाले चुनावों के संचालन में उसकी स्वायत्त भूमिका। इसने मतदाताओं की भागीदारी को बढ़ाया है और चुनावी लोकतंत्र में ज्यादा आस्था जगाई है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

It's time Trump introspects, is shown the mirror

The President of the US (POTUS) is deeply aggrieved over what he describes as global attempts to fleece America through tariffs on US goods that are going to foreign countries. Consequently, he has taken a vow to retaliate with tariff-for-tariff in equal measure to make his mission to "Make America Great Again" (MAGA) a grand success during his tenure in the White House itself. In the process, a multi-front strategy is being implemented in battle speed, affecting the entire country and shaking large sections of the populace.To suggest that the US today is in turmoil would be an understatement because of the unexpectedly astonishing opposition to a broad spectrum of Trump's policy and against a few of his favourite high-profile personnel. The opposition is by no less than some people who were once either close to the POTUS or important officials implementing state policy decisions in the recent past.The developments in the US today appear far from refreshing or reassuring to assuage the feelings of either Trump or the common people. Consequently, mission MAGA of the POTUS is creating a headache every day owing to Trump's uncontrollable and uncontrolled lack of appropriate vocabulary. It is, thereby, putting both friends and foes alike under psychological stress. Trump thinks that his method would succeed in making people all around to kowtow to him and make them succumb to his whims and fancies during his four-year occupancy of the White House.Not exactly. Today, the POTUS, too, needs to do some self-introspection and reflect on his acts through a full-sized mirror to reassess whether he is overstretching himself to put his pet MAGA to an acute angle of futility and resorting to an act of no return.Psychologically, therefore, Trump has made himself an enigma; a classic case study of a grievously make-belief wounded soul who has managed to pile loads of pending unaddressed grievances during his days of being a common American, without the glitz and glamour of the official paraphernalia.Whatever has happened thus far (the bewildering variety of utterances and actions of absurdity) under the POTUS can be compared, to an extent, with the 26-year chapter (1325-1351) of Indian history's Delhi Durbar monarch Muhammad-bin-Tughlaq. Historians have graciously judged Tughlaq as "an amazing compound of contradictions" for making the impossible possible, even if for a fleeting moment, and then trying to unscramble the scrambled egg (like scenario) through equally fancy actions of ethereal fiction.In fact, Trump's every move and management style seems to be taking his unpredictably predictable course of absurdity to a new height of diplomatic embarrassment. From Panama to Canada, Denmark to Germany, each friendly state is feeling hurt, being insulted, ridiculed and snubbed by the POTUS.Also, the growing list of impossible demands being claimed by Trump gives the impression of an urban land mafia don on the prowl to possess immovable property in prime locations.

However, one thing glitters amidst this gloom. Trump is "honestly" non-discriminatory about his indiscriminate howling at all, however mighty or muscular he/she may be, belittling or ridiculing (officially invited) foreign Heads of Government or State. Thus, all foreign dignitaries are under pressure when face to face with the POTUS, notwithstanding its being unlikely to be good news for the USA in the long run.Thus, Trump has been equally unsparing and insulting to India, notwithstanding his avowed personal friendship with the Prime Minister, Narendra Modi. "I have exposed India on tariff," declared a condescending Trump and followed it up with a unilateral declaration that "India has reduced tariff".

What absurdity! No meeting, no talks, no discussion between India and America, but the ordained verdict arrives from the White House! Is it a delusion of grandeur? The gross act of the POTUS amounts to the humiliation of successive Indian establishments.His command of demands is reaching an intolerable height, hence unacceptable to this Indian, at least. So, let Trump recall his own country's tariff saga which put the USA on the road to prosperity.

Why urban polls reflect deeper political, economic currents

Cities are centres of exploitation, where essential services and affordable housing remain out of reach for many. Yet, the urban poor are continuing to back the BJP.

Elections to the city governments that include 10 municipal corporations, municipal councils and municipal committees in Haryana have been decisively won by the BJP. In the past around two months, the Opposition, including the Congress, regional parties and the Left, has failed to secure a single mayoral seat not just in Haryana but also in Uttarakhand and Chhattisgarh, where the BJP has trounced the entire Opposition. This should send a clear message to the Opposition parties that the urban scene is changing and they need to buckle up fast.n all three states, the Congress has intermittently held power at the state level. Yet, its failure to win even a single mayoral seat and the abysmally poor performance in the municipal council and nagar panchayat elections point to internal disarray and a broader lack of vision regarding urban governance. This electoral setback reflects a deeper issue: the Congress' inability to craft a compelling urban strategy that resonates with voters.

These states follow a direct election system for mayors, in which voters directly elect both the councillors and mayors. The BJP has been promoting this practice wherever it comes to power, advocating a presidential-style mayoral election.In Uttar Pradesh, Bihar and Madhya Pradesh, which also follow a direct election for the post of mayor, the Opposition parties have failed to reach even double-digit figures in the number of elected mayors. The same pattern extends to municipal councils and nagar panchayats, where the Opposition finds itself in disarray.Since urban development is a state subject, states have their own method of electing city governments. In Himachal Pradesh, Punjab, West Bengal, Kerala, etc, the mayor is elected by the councillors. But to attribute the BJP's success in getting its mayoral candidates elected to direct election would be half true. The processes set in motion through the urbanisation journey need to be captured for such victories.What explains BJP's dominance in the urban elections? Over the past three decades, two major shifts have shaped India's urban transformation, keeping cities in a constant state of flux. The first is the economic liberalisation of the 1990s, which altered the socio-economic fabric of urban areas. This transition, marked by the rise of neoliberal policies, has led to new power structures and systemic urban inequalities. Migration has been a defining feature of this phase, with urbanisation driven more by poverty than by industrial growth.

The second is a sharp segregation in cities and cultural spaces being filled through communal polarisation. The 2023 India segregation report of over 1.5 million neighbourhoods brings out the systematic nature of urban exclusion and segregation. Rather than being based on livelihood issues, the urban spatial reality was dominated by ethnic and parochial demands and the creation of such narratives.Neoliberalism, despite its promise of free markets, has often required state intervention to facilitate private capital's dominance over urban spaces. This has manifested in various ways — weakening the autonomy of elected municipal governments, privatising basic services, reducing state involvement in urban planning and increasing reliance on public-private partnerships, especially in infrastructure.The result has been the gentrification of cities, with spaces restructured to favour elitist consumption while displacing marginalised communities.

National urban programmes like the Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission, Smart Cities Mission, Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation and Swachh Bharat Mission aim at reshaping urban landscapes. These initiatives, too, have intensified socio-spatial inequalities, leading to economic fragmentation and displacement of the urban poor.The neoliberal model has led to the closure of many small-scale industries and retail businesses, restrictive legal frameworks targeting informal workers, privatisation of essential services like water and sanitation and restricted access to public spaces.

Despite facing these hardships, a significant section of the urban poor continues to support the BJP. The question arises: why do those most affected by these policies remain loyal to the party that is part of the larger problem?One key factor is the BJP and Rashtriya Swayamsevak Sangh's (RSS) systematic influence over urban cultural spaces. The secular fabric of cities, once shaped by an organised working class, has eroded. Over 90 per cent of the urban workforce now operates in the informal sector, lacking the bargaining power once held by labour unions. This shift has left workers vulnerable to both economic exploitation and ideological manipulation. The BJP and RSS have capitalised on this vacuum, using regional and communal narratives to shape urban politics.North Indian cities today are paradoxical spaces — centres of massive exploitation, where essential services like clean air, drinking water and affordable housing remain out of reach for many. Yet, the urban poor continue to back the BJP.Meanwhile, the Opposition remains disconnected from city-level politics, focussing instead on state and national elections.

The BJP is working towards implementing a model municipal Act through the Ministry of Housing and Urban Affairs, pushing for direct mayoral elections nationwide — a system that appears to favour the party electorally.I was inducted as a member of the task force to write the model municipal Act. But the ministry soon realised that a wrong person has been nominated — one who would challenge its ominous designs.

That said, this signifies an important aspect — that the Central government is taking urban governance seriously and intends to move ahead with its stated design.For the Opposition parties, the time to act is now. This is India's urban century and the largest demographic shifts will take place within a few decades. The largest number of people living in urban areas will be in India soon.In this context, urban governance cannot remain an afterthought or be through a top-down approach.

The Opposition needs to reimagine city spaces, focussing on equitable development, inclusive policies and fair distribution of urban resources. Without a coherent urban strategy, its electoral struggles in cities will only deepen.

HP's waste woes

Garbage dumps a looming ecological disaster

The Himachal Pradesh government's proposed Policy for Solid Waste Management Facilities in Rural Areas, 2024, though a welcome move, raises pressing concerns about the state's overall waste management strategy. Aiming to streamline waste segregation and disposal at the panchayat level, the policy must be expedited as HP is already grappling with a waste crisis, exacerbated by ineffective execution of past plans. The data is staggering. The state generates approximately 375 tonnes of solid waste daily across 60 urban local bodies (ULBs). The legacy waste backlog stands at over 2.48 lakh tonnes, with only six of the 16 identified sites having been cleared. Meanwhile, the National Green Tribunal has flagged a 9.6-MLD (million litres per day) shortfall in sewage treatment capacity and 20 ULBs still lack sewage management facilities. Shockingly, while some sewage treatment plants are overloaded, a significant proportion of households remain disconnected, exposing a critical flaw in planning.The government has signed pacts with cement manufacturers for co-processing non-recyclable plastic waste, but this remains a limited solution. A large proportion of plastic waste —from shampoo bottles to chips packets — continues to clog water bodies and urban landscapes. While over four lakh rural households still await access to proper wet waste disposal, the sheer volume of accumulating garbage suggests that incremental measures will not suffice.

A long-term, action-oriented strategy is needed — one that includes mandatory waste segregation at source, expansion of waste-to-energy projects, stricter plastic production regulations and comprehensive recycling initiatives. The recently announced environmental cell within the Urban Development Department must act decisively to bridge policy gaps. Himachal's fragile ecology cannot withstand poor waste management. The voters must make it a poll issue, pressing upon the government to embrace outcome-driven enforcement. Otherwise, the very hills that attract millions of tourists will soon be buried under mounting waste.

Much ado about sheer inanities

Congress spokesperson Shama Mohamed and SP MLA Abu Azmi provided fodder to their rivals

Yet, not one hero-worshipper had paused to consider whether the comment was apt. I do not think Rohit can be called 'fat', though he has put on some weight. Well, what does Shama or anyone else expect? As soon as you approach 40, which Rohit will reach in two years or so, a middle-age spread around the midriff is to be expected. Very few are like Rohit's teammate Virat Kohli, who is managing to avoid the inevitable.

The test of fitness at that stage is to determine if the ageing cricketer's reflexes are as good as that of the younger members of his team. In the field, he should be as agile as any of them. Rohit, I think, passes the test. He usually fields in the slips. There he has proved that his reflexes are as sharp as they were, except for an odd dropped catch.There is a much more dangerous condition to bother about as you approach middle age. And that is eyesight. If your hand-eye coordination is affected, there is nothing one can do about that. Ordinary mortals like you and I will go to the optician and get a pair of spectacles. It is rare to see a bespectacled batter. None has crossed 40, mercifully.In fact, I have not seen too many top batsmen lasting beyond 35 years. But India is blessed. Rohit and Virat are still around. In the just-concluded Champions Trophy, both contributed substantially to the team's success. As India refused to travel to Pakistan, citing security concerns, the team's matches were held in Dubai (Indian cricketers would have played in Lahore or Karachi had the Pakistani State been able to rein in terror modules).

Rohit and Virat are the darlings of cricket-loving Indians. The national selectors are in no position to drop them even if the duo suffers a drop in form. The decision to hang up their boots will have to be taken by these stalwarts themselves. Only they can take that call, not those entrusted with the selections. And certainly not Shama, who succeeded in stirring up anger and disgust among cricket lovers and ruffled the feathers of fellow politicians waiting to pick up any stick to beat their opponents with.Talking of politicians, one notorious one in Mumbai is a Samajwadi Party (SP) leader named Abu Azmi. His name had cropped up in Mumbai Police's Crime Branch files in 1992-93 when rioting, arson and killings shook the city. My friend MN Singh, who was heading the Crime Branch at that time, was busy chasing him.Out of the blue, Abu recently gave a 'good character' certificate to Mughal Emperor Aurangzeb, whose reputation in recorded history is of a fanatic who went berserk destroying temples and plotting the murders of his own brothers in order to ascend the throne.

Abu asserted that Aurangzeb was a good king who had built temples and that he was not cruel! Whatever was ascribed to him as cruelty was in the course of his duties as the administrator of the realm, the SP leader said. He added that the battles Aurangzeb fought with Maratha warrior-king Chhatrapati Shivaji Maharaj were not because of communal considerations but for asserting power.This statement was picked up by other political parties in Maharashtra. The BJP and the Shiv Sena (Uddhav Balasaheb Thackeray faction) were the most vocal in their condemnation. Chhatrapati Shivaji is worshipped in the state, particularly by the Marathas, the caste to which he belonged.The brouhaha lasted a few days. The Maharashtra Legislative Assembly, of which Abu is a member, suspended him for the rest of the state Budget session.A news channel conducted a debate by known historians on the entire episode. In the course of the debate, one of them stated that Shivaji's eldest son and heir, Sambhaji Rao, was an alcoholic and a debauch. This assertion set off another round of vitriol that was difficult to control.Udayanraje Bhosale is presently the BJP MP from the Maratha stronghold of Satara. He is a direct descendant of Shivaji. The ruckus that started with Abu's remarks prompted Bhosale to demand a law to be enacted in Maharashtra, prohibiting defamation of the state's icons and making the offence non-bailable.

Such a law would infringe upon freedom of speech, which is enshrined in the Constitution. Moreover, the army of historians and researchers in India will live under constant fear of unearthing skeletons in the icon's cupboards, which if published would land them in jail! And that would inevitably turn the country into a police state.There are many more important issues that plague the public mind. Unemployment, the price rise and the ever-lengthening claws of corruption are surely more important. These issues affect people in their daily life. Ironically, Opposition leaders Shama and Abu helped the ruling coalition distract public attention from these pressing issues.

After train hijack, Pakistan suffers over half a dozen militant attacks

The series of attacks come shortly after a passenger train was hijacked in the restive Balochistan province, which resulted in the killing of 31, including soldiers, railway staff, and civilians

New Delhi Pakistan has been rocked by a series of militant attacks across Khyber Pakhtunkhwa province, leaving two soldiers dead and several security personnel and civilians injured. The series of attacks come shortly after a passenger train was hijacked in the restive Balochistan province, which resulted in the killing of 31, including soldiers, railway staff, and civilians.

On Saturday, the Inter-Services Public Relations (ISPR), the media and public relations wing of the Pakistan Armed Forces, stated that security forces conducted two counterterrorism operations in Mohmand and Dera Ismail Khan, killing nine militants.

In Mohmand, Pakistani soldiers conducted an intelligence-based operation and killed seven militants. However, two soldiers were also killed during the exchange of fire. The second encounter in Dera Ismail Khan saw security forces killing two more militants.

Police stations under attack in Khyber Pakhtunkhwa

Even as security forces targeted militants in counterterrorism operations, militant groups launched a wave of attacks across Bannu, Lakki Marwat, and Bajaur districts. Over half a dozen coordinated attacks on police stations were reported. The outlawed Tehreek-i-Taliban Pakistan (TTP) has claimed responsibility for all these attacks, reported Dawn.

On Saturday morning, militants attacked a police post in Abbasa Khattak, Kurrum Par belt, using heavy weapons in an attempt to seize the facility. The attack was repelled by police reinforcements and armed villagers who joined the security forces.A separate attack involved

an improvised explosive device (IED) explosion targeting a police vehicle near Wanda Begu Khan. The driver was injured, with some reports suggesting three policemen sustained wounds.Militants also launched midnight attacks on the Dadiwala and Dara Pezu police stations, using automatic weapons. In Bannu, militants stormed two police stations and a police post on Friday night. They lobbed hand grenades at Ghoriwala police station and a police post in Khujari, while another group fired on Bakkakhel police station. In Khujari, armed local residents aided the police, forcing the militants to retreat. Security forces have since launched search operations to track down the attackers. In Bajaur, gunmen opened fire on the vehicle of a police officer in Inayat Kallay bazaar, injuring him and three civilians. The attack occurred just before Iftar, minutes after the officer arrived in the area to oversee security.

Peshawar blast kills militant leader

In Peshawar, Mufti Shakir, the founder of the banned militant group Lashkar-e-Islam (LI), was killed in an explosion outside his seminary in Urmar. Shakir had previously been expelled from Khyber and Hangu districts due to his extremist activities but had recently resurfaced in the region.

Jaffar Express hijacking

These attacks come in the aftermath of the Jaffar Express train hijacking in Balochistan on March 11, where members of the Baloch Liberation Army (BLA) sabotaged the railway track, forcing the train to halt within a tunnel.

Delhi records lowest AQI in three years, air quality now 'satisfactory'

New Delhi Delhi's air quality improved to the 'satisfactory' category on Sunday, with an Air Quality Index (AQI) of 81, according to the Central Pollution Control Board (CPCB). This is the lowest AQI recorded in the city for the period from January 1 to March 15 in the last three years.

AQI across Delhi-NCR

Air quality across Delhi-NCR improved to the 'satisfactory' category. The average AQI of Delhi for past 24 hours was at 85, at 4 pm on March 15. This was the first day of the year on which the AQI had managed to fall under the ambit of the 'Satisfactory' category. Haryana's Gurugram had an AQI of 70. Noida and Greater Noida in Uttar Pradesh reported AQIs of 74 and 52, respectively. Ghaziabad's AQI was recorded to be 76AQI classification

The CPCB classifies air quality into the following categories:

0–50 (good)
51–100 (satisfactory)101–200 (moderate)
201–300 (poor)
301–400 (very poor)
401–500 (severe)

Delhi weather updates

Delhi residents woke up to partly cloudy skies on Sunday morning, with light rain predicted for the day. The India Meteorological Department (IMD) forecasts a partly cloudy sky throughout the day, with light rain or drizzle expected in the morning and towards the night. The day's forecast indicates a minimum and maximum temperature of 17 degrees Celsius and 32 degrees Celsius, respectively. Strong surface winds (20-30 km/h) are expected over the Indo-Gangetic Plains, including Delhi, amid warm conditions.

Retailers Report 52 Per Cent Drop In Essential Goods Sales Due To Quick Commerce

New Delhi. The rise of quick commerce has caused a significant decline in the sale of food, beverages and confectionery in urban centers, as 52 per cent of physical store retailers reported experiencing the drop, according to a report by global consulting firm PwC.The report says that beyond food, personal care (47 per cent) and household cleaning (33 per cent) are also experiencing significant sales reductions. This suggests that quick-delivery models are more disruptive for consumables that consumers frequently purchase in-store.Quick commerce, also known as q-commerce or on-demand delivery, is a type of e-commerce that can deliver orders in 10 to 30 minutes or less. However, the report added that despite the downturn in essential categories, niche markets such as childcare, beauty, and wellness appear to be less affected.This could point to the fact that these categories often involve more considered purchasing decisions, where customers may prefer to shop in-store or may have less immediate need for quick delivery services.

On the flip side, q-commerce's expansion into tier 2 and tier 3 regions, as per our research, reveals a contrasting narrative as non-metro cities' retailers remain largely unpressured by Q-commerce's entry. On the other hand, q-commerce's growth in tier 2 and tier 3 cities tells a different story. Retailers in the non-metro areas are largely unaffected by q-commerce.The challenges in these regions include high delivery costs due to longer distances and inefficient inventory management caused by scattered demand, the report added.

The report adds that despite the aggressive expansion of quick commerce businesses in India, brick-and-mortar retail remains a robust channel in the tier 2 and tier 3 cities. While several striking findings emerged in the survey, one that caught PwC's attention was the continued success of brick-and-mortar retail in tier 2 and 3 cities.

India To Become World's 3rd-Largest Economy By 2028, Overtaking Germany: Morgan Stanley

New Delhi. India is set to become the world's third-largest economy by 2028, overtaking Germany, according to a report by global financial services firm Morgan Stanley. This extraordinary ascent is not by chance but the result of years of visionary leadership and bold economic reforms, according to an X post by the Bharatiya Janata Party (BJP) on Saturday.

When Prime Minister Narendra Modi took charge, he set a course for transformation. "Initiatives like 'Make in India' and 'Digital India' ignited a wave of industrial innovation, turning villages into manufacturing hubs and cities into thriving economic centres," according to the post.Infrastructure projects reshaped landscapes, digital revolutions connected millions, and landmark reforms attracted global investment. The world has taken notice to this unprecedented transformation amidst an unstable global economy.Infrastructure projects reshaped landscapes, digital revolutions connected millions, and landmark reforms attracted global investment. The world has taken notice to this unprecedented transformation amidst an unstable global economy.Bharat's rise is not just about numbers; it's about the aspirations of 1.4 billion people coming to life. A young, ambitious workforce is driving progress, and every milestone is a testament to the nation's relentless spirit," the party noted.

From tax reforms to financial inclusion, from renewable energy to cutting-edge technology, Bharat's story is one of resilience and ambition. "As the economy soars, one thing is clear, the future belongs to Bharat," said the BJP post.Indian equity scene looks attractive -- a stock pickers' market -- as the country is likely gaining share in global output in the coming decades driven by strong foundational factors including robust population growth, a functioning democracy, macro stability influenced policy, better infrastructure, a rising entrepreneurial class and improving social outcomes, another Morgan Stanley report said earlier this week.

Mcap of 5 most valued firms declines by Rs 93K cr; Infosys, TCS hit hard

New Delhi The combined market capitalisation of five of the top-10 most valued firms declined by Rs 93,357.52 crore, with IT giants Infosys and Tata Consultancy Services taking the biggest hit, in line with a weak trend in domestic equities.

Last week, the BSE Sensex benchmark declined 503.67 points or 0.68 per cent, and the NSE Nifty fell 155.3 points or 0.69 per cent.The stock markets were closed on Friday on the occasion of Holi festival.

Meanwhile, Infosys, Tata Consultancy Services (TCS), Hindustan Unilever, State Bank of India and Reliance Industries saw a decline in their market valuations.In contrast, ICICI Bank, HDFC Bank, ITC, Bajaj Finance and Bharti Airtel posted gains. The five firms together added Rs 49,833.62 crore in their market capitalisation.The market capitalisation (mcap) of Infosys dropped by Rs 44,226.62 crore to Rs 6,55,820.48 crore.The Mumbai-based TCS' valuation tumbled by Rs 35,800.98 crore to Rs 12,70,798.97 crore and slipped to the third place among the country's 10-most valuable companies chart.

Hindustan Unilever's market valuation depreciated by Rs 6,567.11 crore to Rs 5,11,235.81 crore.

State Bank of India's mcap decreased by Rs 4,462.31 crore to Rs 6,49,489.22 crore, and that of Reliance Industries' went lower by Rs 2,300.50 crore, taking its market capitalisation to Rs 16,88,028.20 crore.However, ICICI Bank's valuation surged by Rs 25,459.16 crore to Rs 8,83,202.19 crore.The market valuation of HDFC Bank jumped by Rs 12,591.60 crore to Rs 13,05,169.99 crore and ITC added Rs 10,073.34 crore in its mcap to Rs 5,15,366.68 crore.

Bajaj Finance's valuation climbed by Rs 911.22 crore to Rs 5,21,892.47 crore and that of Bharti Airtel's mcap rallied by Rs 798.30 crore to Rs 9,31,068.27 crore.Reliance Industries remained the most valued company, followed by HDFC Bank, TCS, Bharti Airtel, ICICI Bank, Infosys, State Bank of India, Bajaj Finance, ITC, and Hindustan Unilever.

(Only the headline and picture of this report may have been reworked by the Business Standard staff; the rest of the content is auto-generated from a syndicated feed.)

FPIs withdraw Rs 30,000 crore from equities in first fortnight in March

New Delhi Foreign investors continue to pull back money from the Indian equity market withdrawing a little over Rs 30,000 crore in the first fortnight of the month amid escalation in global trade tensions.

This came following an outflow of Rs 34,574 crore from equities in February and Rs 78,027 crore in January.With these, the total outflow by FPIs has reached Rs 1.42 lakh crore (USD 16.5 billion) in 2025 so far, data with the depositories showed.

According to the data, Foreign Portfolio Investors (FPIs) offloaded shares worth Rs 30,015 crore from Indian equities this month (till March 13).

This also marks the 14th consecutive week of net outflows.The prolonged selling pressure is driven by a combination of global and domestic factors.

The uncertainty surrounding US trade policies under President Donald Trump, raising concerns about a potential tariff-induced recession, has weighed on global risk appetite, prompting FPIs to adopt a cautious stance towards emerging markets like India, Himanshu Srivastava,

Associate Director - Manager Research, Morningstar Investment, said.Another key factor driving FPI outflows has been elevated US bond yields and a strong dollar, which have made American assets more appealing.

Also, depreciation of the Indian rupee has further exacerbated this trend, as it erodes returns for foreign investors.Moreover, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, highlighted that the FPI outflows from India have been mainly going into Chinese stocks that have been outperforming other markets in 2025."The recent decline in the dollar index will limit the fund flows to the US. However, the heightened uncertainty triggered by the trade war between the US and other nations is likely to push more money into safe asset classes like gold and dollar," he added.On the other hand, they invested Rs 7,355 crore in debt general limit and withdrew Rs 325 crore from debt voluntary retention route.The overall trend indicates a cautious approach by foreign investors, who scaled back investments in Indian equities significantly in 2024, with net inflows of just Rs 427 crore.

FIIs Selling Decline In Indian Market, To Stabilise In Next Quarter: Experts

New Delhi. FII selling in India continues in early March, but the intensity of selling is slowly declining as valuations are becoming reasonable in the stock market, according to experts. This month (up to March 14), FIIs have sold equity for Rs 30,015 crore, taking the total equity sold in CY 2025 so far to Rs 1,42,616 crore.

In the debt category FIIs were buyers in March so far. The total buy figure for debt (general category plus VRR) stood at Rs 7,029 crore in March to date, say market watchers. However, the heightened uncertainty triggered by the trade war between the US and other nations is likely to push more money into safe asset classes like gold and the dollar, they added.According to Shridatta Bhandwaldar, Head Equities at Canara Robeco Mutual Fund, FIIs have been significant sellers in the Indian equity market over the past three months, with outflows amounting to $15-20 billion. "However, as the initial shocks subside, we expect FII flows to at least stabilise in the next quarter and eventually turn positive over time," he mentioned."For this to happen, though,

our earnings will need to show substantial improvement from current levels. We believe that the slowdown in earnings growth is more cyclical than structural, noting that a similar trend was observed in FY23," he added.

Valuations for the Nifty index are already below its 10-year average for one-year forward earnings.

Meanwhile, in the last week, the Indian stock markets remained largely range-bound, ending slightly lower amid mixed global cues and investor caution. The benchmark indices saw mild corrections as concerns over global trade policies and sector-specific sell-offs weighed on sentiment.Analysts expect volatility to persist in the upcoming sessions as investors track global developments, particularly economic data releases from the US Federal Reserve and domestic macroeconomic indicators.While the 22,250-22,650 range remains a key technical zone for the Nifty 50, a breakout in either direction could determine the market's trajectory in the near term, as per market experts.

SAIL to scale up Rourkela Steel Plant capacity to 9 MT by 2030 at Rs 30,000 crore investment

The plant also has a dedicated mill to manufacture naval grade, armour grade and quenched and tempered plates for various naval and defense applications.

NEW DELHI. State-owned SAIL has plans to more than double the capacity of its Rourkela Steel Plant (RSP) to around 9 million tonne per annum at an investment of Rs 30,000 crore, a move which will boost supplies to sectors like defence, oil & gas, and automobiles among others.Post expansion, which will come up over an area of 1,200 acre, RSP will alone contribute around 25 per cent to SAIL's overall 35 million tonne per annum (MTPA) production capacity target by 2030, Alok Verma, Director In-Charge, RSP told PTI in an interview.

Located at Rourkela in Odisha, around 320 km from state capital Bhubaneswar, RSP holds the distinction of being the first public sector steel plant in India.It was set up in the 1950s with German collaboration with an initial capacity of 1 MT.The plant became operational on February 3, 1959, when the then President of India Rajendra Prasad lit up the first blast furnace Parvati.At present, the total steelmaking capacity of Steel Authority of India Ltd (SAIL) stands at 20.30 MTPA of which RSP's contribution is 4.4 MTPA.

Speaking further, the official said RSP's capacity will be enhanced by 5 MTPA to 9.4 MTPA by 2030."With the expansion, we aim to garner a sizeable share of the sectors which we cater to," Verma said adding RSP produces plates, hot rolled (HR) coils, spiral welded and electric resistance welded pipes, cold rolled non-oriented (CRNO) which find applications in areas like ship building, rail wagons, LPG cylinder, automobiles, oil and gas, motors, generators, and transformers.

The plant also has a dedicated mill to manufacture naval grade, armour grade and quenched and tempered plates for various naval and defense applications.

Sharing the details, Verma said approximately 1,200 acres on the south eastern side of the plant will be required for taking up this mega green field expansion project to be implemented with an investment of around Rs 30,000 crore.

As part of expansion, the major facilities are planned. It includes raw material handling plant, coke oven stamp charge battery, sinter plant, thin slab caster-direct rolling, cold rolling mill, silicon mill and logistics, he said.Besides, a new blast furnace and steel melting shop will be set up.As a prerequisite for this expansion, a railway line connecting Dumertra station to RSP is under construction for smooth movement of raw materials and finished goods to strengthen logistics. It will avoid load on Bondamunda Yard.The second rail connection work is being executed by South Eastern Railways on cost deposit scheme for which the requisite amount has been deposited to Indian Railways by RSP.SAIL, under Ministry of Steel, is among the top three steel manufacturers in India.Besides RSP, the company has four other integrated steel units namely Durgapur Steel Plant (DSP) and Burnpur Steel Plant in West Bengal, Bhilai Steel Plant (BSP) in Chhattisgarh and Bokaro Steel Plant in Jharkhand.

From landfill to promising open ground: Kerala's Brahmapuram sees transformation

NEW DELHI. "You can even play cricket at Brahmapuram now," Kerala Local Self-government Minister MB Rajesh declared in a social media post, highlighting the dramatic transformation of the once waste-ridden site in Kochi. The Brahmapuram solid waste plant, previously home to a towering trash mountain, had long been a major environmental concern and was the site of a devastating fire in 2023 that burned for 12 consecutive days.Rajesh stated that the government was determined to turn the Brahmapuram disaster into an opportunity to make Kerala a clean, waste-free state.According to the state government, 75 per cent of bio-mining in the waste-filled areas has been completed, and approximately 18 acres of land have been reclaimed. Authorities aim to complete the process within the coming months. Chief Minister Pinarayi Vijayan, sharing before-and-after images of the site, stated, "A comprehensive master plan worth Rs 706.55 crore is under consideration by the government for the complete development of this area. With the implementation of this plan, the government's promise to transform Brahmapuram into a beautiful and vibrant place is being fulfilled. Brahmapuram will become a centre of attraction for the entire country."

In 2023, Kerala's commercial capital, Kochi, faced an air emergency as toxic fumes from the Brahmapuram fire engulfed the city for over 10 days. Residents suffered severe health problems, many were forced to leave their homes, and others remained indoors to escape the hazardous air. The crisis mirrored the isolation of the pandemic, with deserted streets and disrupted public life. The incident sparked widespread outrage, with celebrities and prominent figures expressing their concerns on social media. The Kerala legislative assembly also witnessed dramatic scenes, with the opposition staging a parallel session inside the House in protest.

"We said that we would turn this crisis into an opportunity. We were trolled for saying that we would convert Brahmapuram into a garden.

We have crossed the first stage in making that vision a reality. Both the government and Cochin Corporation directly monitored the bio-mining process, nd the results are evident," Rajesh said.

The state government plans to inaugurate Bharat Petroleum Corporation Limited's compressed biogas plant, which will have the capacity to treat 150 tonnes of biodegradable waste daily, by April. "The construction of the plant is in its final stage. We are also planning to approve similar plants in Thiruvananthapuram and Kozhikode," MB Rajesh told India Today.

The Minister further stated that 20 dumpsites across Kerala have already been cleared, with work underway at 25 more locations. Expressing confidence in the progress, he added, "By next year, Kerala will become a state with no dumpsites." The government's next priority, he said, would be liquid waste management.

Traffic mess: Plans afloat to unclog Delhi-Gurugram NH-48

NEW DELHI. With daily commuters facing harrowing time due to massive traffic jams, a new entry-exit arrangement at four locations on a carriageway of National Highway-48 connecting Delhi to Gurugram has been proposed.The National Highway Authority of India and Delhi Traffic Police have carried out separate studies and proposed steps to decongest the crucial stretch for commuters from Delhi to Gurugram, according to sources. The four locations are in Mahipalpur, Shiv Murti and two points at Shankar Vihar.

To decongest the stretch between Gurgaon Road-Parade Road crossing and Shiv Murti, it has been proposed that only exit points should be made at Shankar Vihar and Mahipalpur, officials privy to the development told this newspaper. The other two points - Shankar Vihar and Shiv Murti - can serve as an entry points.Around three lakh commuters, mostly office-goers, use the NH-48 every day. The commuters say it takes one hour to cover the 6.9-km stretch during peak hours, with the bottleneck near Shiv Murti causing huge problem. The spillover traffic from Shankar Vihar hits the area near Dhaula Kuan and also Rao Tula Ram Marg till Vasant Vihar.There are three main locations on NH-48 where the traffic is particularly bad. For example, Shankar Vihar doesn't have separate entry and exit points, thus choking the stretch and piling up of vehicles. Now, an exit point has been planned on the stretch, with an entry point being ahead. Similar is the situation in Mahipalpur where there is no separate entry and exit point.The area is close to the IGI Airport and dotted with budget hotels. It has now been suggested that the stretch be made only exit point. A separate provision has been proposed near Shiv Murti from where vehicles can enter the highway.In a written reply to the Lok Sabha, Union Minister of Road Transport and Highways Nitin Gadkari had recently said that the Delhi Traffic Police conducted a survey in March 2024 in which problem of congestion was found in 134 locations, primarily due to construction work by various civic agencies and encroachment.

Delhi records AQI of 85, cleanest air in three years for January-March period

NEW DELHI. The national capital recorded an average Air Quality Index (AQI) of 85 on Saturday, thus falling in the 'satisfactory' air quality category. This marked the first time in five years that the city witnessed a day of 'satisfactory' AQI in the month of March. As per data, this is also the lowest AQI recorded between January 1 and March 15 in the last three years. The favourable AQI reading comes a day after parts of Delhi-NCR witnessed light rainfall, keeping the summer heat at bay.

Meanwhile, the Commission for Air Quality Management (CAQM) has also revoked actions under Stage I of the Graded Response Action Plan (GRAP) with immediate effect in the capital and surrounding cities.

According to the India Meterological Department, on March 16, there is a possibility of very light to light rainfall in parts of Delhi-NCR. The maximum and minimum temperatures are likely to be in the range of 30-32°C and 16-18°C respectively.

Meanwhile, Delhi-NCR experienced a shift in weather as dark clouds covered the sky on Friday evening. Parts of South Delhi received light rainfall, bringing temporary relief. The IMD had predicted a partly cloudy sky with a possibility of isolated light rain over Northwest India in the coming days.

Centre keen on protecting rights of consumers from unfair trade: Union Minister Prahlad Joshi

NEW DELHI. Union Minister for Consumer Affairs, Food and Public Distribution Pralhad Joshi said on Saturday that the Centre is committed to protecting consumers' rights from unfair trade practices and promoting sustainable consumption."Government's initiatives, including eco-labelling programs, protection against unfair trade practices in the e-commerce sector, strengthening the regulatory framework against greenwashing, and establishing consumer grievance platforms, are empowering consumers," Joshi said during an event, called 'A Just Transition to Sustainable Lifestyles', on the World Consumer Rights Day (WCRD).

Quoting Prime Minister Narendra Modi, he said the Centre has been fostering sustainability through responsible consumer policies."Our PM Modi's policy is not only focusing on consumer protection but also consumer prosperity," the minister said."Fostering sustainability has been part of Indian culture since ancient times and formed the core of our administration," he said.Joshi recognised the efforts of departments and the Central Consumers Protection Authority in protecting consumers' rights by enacting rules and guidelines and promoting sustainability in consumption.

"The department of consumer affairs and CCPA have issued a number of guidelines to prevent misleading advertisements, dark patterns, greenwashing, and misleading advertisements in the coaching sector," said Joshi. He underlined the government's initiatives like E-Daakhil, where consumers register land online.

Minister of State for Consumer Affairs BL Verma said policies and regulatory frameworks are protecting the rights of the consumers. Nidhi Khare, secretary of the consumer affairs department, said a third version of the national consumer helpline (NCH 3.0) will be launched to reduce the time it takes to resolve complaints.

DTC's cashless ticketing trial underway at selected depots

NEW DELHI. The Delhi Transport Corporation (DTC) is transitioning to a cashless ticketing system. Taking inspiration from the Delhi Metro, the transport corporation is planning to allow passengers to purchase tickets using the National Common Mobility Card (NCMC).Currently in its pilot phase, the initiative offers a 10% discount on fares for passengers using the card.

At present, the system has been implemented on buses operating from Rajghat and Hasanpur depots. Officials said that the trial has been successful, and preparations are underway to extend the facility to all DTC buses. The goal is to integrate public transport under the NCMC system, making travel smoother and more convenient for passengers.To facilitate this transition, DTC has partnered with Canara Bank to provide a secure payment gateway. Electronic Ticketing Machines (ETMs) have been installed on buses, enabling passengers to pay for tickets with their Common Mobility Cards, similar to using debit or credit cards for shopping.A total of 345 machines - 100 at Rajghat depot and 245 at Hasanpur depot - have been introduced as part of the trial. Passengers using the NCMC card for ticket purchases automatically receive a 10% discount. To spread awareness, DTC has installed digital displays inside buses and made announcements informing passengers about the benefits of the new system. In the coming days, sticker ads and notices will also be placed on buses to encourage commuters to adopt card-based payments. According to officials, the initiative has been well received by commuters.While the facility is currently available on limited routes, officials are optimistic about its citywide implementation.

467 IAS officers to undergo training at Mussoorie, 150 set to join on May 5

NEW DELHI. More than 460 officers from state civil services, who have been promoted to the Indian Administrative Service, qualify for an induction training programme (ITP) from May 5 to June 13 at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA) in Mussoorie.

"This is a one-time opportunity for those officers

who have been inducted into IAS to undergo this training," the department of personnel and training said in a communication to the chief secretaries of the states and UTs. Of the 467 officers eligible for training, 150 are set to join the programme at LBSNAA from May 5.According to officials, the 127th round of ITP will be conducted for 150 officers from states and UTs selected on a first-come, first-served basis. Striking a caution, the department said, "In some of the previous cohorts, the officers nominated by state governments did not attend the training and sought exemption on various grounds at the last moment. It may kindly be taken into consideration that nomination once made and accepted cannot be withdrawn later."

The department has urged the chief secretaries to ensure that the nominated officers are relieved in time so that they can participate in the training.

India's Hyperloop Tube To Be World's Longest At 410 Metres: Ashwini Vaishnaw

New Delhi. Union Minister Ashwini Vaishnaw visited the Hyperloop testing facility at IIT Madras on Saturday and said that the Hyperloop tube, being developed with the help of the Indian Institute of Technology Madras, will soon be the world's longest tube, measuring 410 meters in length.The 410-meter-long Hyperloop test tube located at IIT Chennai is already the longest Hyperloop test facility in Asia. Hyperloop is a high-speed train that runs in a vacuum in a tube.

Union Minister Ashwini Vaishnaw on Sunday in a social media post added, "Longest Hyperloop tube in Asia (410 m)... soon to be the world's longest."On March 15, the Union Minister visited the Hyperloop testing facility at IIT Madras Discovery Campus and witnessed a live demonstration.Speaking to the journalists, the Minister said that the entire testing system for Hyperloop transportation has been developed using indigenous technologies, and he congratulated all the young innovators for this achievement.The Minister expressed confidence that India will soon be ready for Hyperloop transportation, as the Hyperloop transportation technology, which is currently under development, has yielded good results in the tests conducted so far.The Railway Ministry has been provided financial funding and technical assistance to the Hyperloop project, and now, all the electronics technology for this Hyperloop project will be developed at ICF Chennai.

The Minister stated that highly skilled experts at the ICF factory have successfully developed larhe electronics systems for Vande Bharat high-speed trains, and the electronics technology for this Hyperloop project will also be developed at ICF.

The Minister congratulated the young innovators team of IIT Chennai and the Avishkar organization for this successful testing.Later, the Minister visited the IIT Chennai campus in Guindy, where he inspected the exhibition organized by the IIT's Center for Innovation titled Open House 2025. He interacted with students and young innovators. During the interaction, he stated that India will become a leading country in all sectors under the leadership of Prime Minister Narendra Modi.

SC to hear suo motu case on Lokpal's order allowing complaints against sitting HC judges on Tuesday

While hearing the matter on February 20, the apex court stayed the Lokpal order, saying it was "something very, very disturbing" and concerned the independence of the judiciary.

NEW DELHI. The Supreme Court is scheduled to hear on March 18 a suo motu proceeding in which it had stayed the Lokpal's order on entertaining complaints against sitting high court judges.A three-judge bench comprising Justices B R Gavai, Surya Kant, and Abhay S Oka is slated to hear the matter.

The top court is dealing with a suo motu proceeding initiated over the January 27 order passed by the Lokpal.While hearing the matter on February 20, the apex court stayed the Lokpal order, saying it was "something very, very disturbing" and concerned the independence of the judiciary.

The top court had issued notice and sought responses from the Centre, the Lokpal registrar and the person who filed complaints against a sitting high court judge.Solicitor General Tushar Mehta, appearing for the Centre, had said a high court judge would never fall within the ambit of the Lokpal and Lokayuktas Act, 2013.Dealing with Lokpal's order on two specific complaints against the sitting high court judge, the apex court had issued an injunction to prevent the complainant from disclosing the name of the judge and directed him to keep the complaint confidential.The Lokpal passed the order on two complaints filed against a sitting additional judge of the high court.The complaints alleged that he influenced an additional district judge in the state and a judge of the same high court slated to deal with a suit filed against the complainant by a private company to favour the firm.The private company, it was alleged, was earlier a client of the high court judge in question while he was practising as an advocate at the Bar.In its order, the Lokpal directed the complaints and relevant materials received in its registry in two matters to be forwarded to the office of the Chief Justice of India for his kind consideration."Awaiting the guidance of the Chief Justice of India, consideration of these complaints, for the time being, is deferred until four weeks from today, keeping in mind the statutory time frame to dispose of the complaint in terms of Section 20 (4) of the Act of 2013," said the Lokpal bench headed by Justice A M Khanwilkar on January 27.The Lokpal added, "We make it amply clear that by this order we have decided a singular issue finally—as to whether the judges of the high court established by an Act of Parliament come within the ambit of Section 14 of the Act of 2013, in the affirmative. No more and no less. In that, we have not looked into or examined the merits of the allegations at all."The order noted it would be "too naive" to argue that a high court judge would not come within the ambit of expression "any person" in clause (f) of section 14 (1) of the 2013 Act.

NEWS BOX

Elon Musk reacts after man paints Swastika on Tesla Cybertruck: Crazy people

World. A man was arrested for defacing a Tesla Cybertruck by painting a Swastika on it in New York. Tesla owner Elon Musk reacted to the incident and called the accused "crazy".The incident, which happened on Thursday, is the third documented attack on a Cybertruck in New York City in recent days.

Michael Lewis, 42, was in his Subaru car when he saw the electric Tesla truck parked on Washington Avenue. He got out of his car and defaced the car by scribbling a swastika on it, reported by the New York Times.Michael then went back to his car and tried to speed off when the Cybertruck's owner, Avi Ben Hamo, who watched the attack from the sidewalk across the street, stood in front of the car to block his getaway.Michael then ditched his car in the bike lane and ran.However, he was back within 90 minutes to retrieve his Subaru where he was arrested by the cops.

ELON MUSK'S RESPONSE

Tesla chief Elon Musk reacted to the incident and took a dig at the suspect's ride Subaru. Subaru is a Japanese car manufacturer."Crazy people. Naturally, he drives a Subaru," Musk posted on X reacting to the news.Tesla vehicles, dealerships, charging stations and their owners have found themselves the target of coordinated attacks by left-wing groups since Musk's new Department of Government Efficiency (DOGE) began cutting government spending.His strict approach, targeting institutions like the National Weather Service, the Department of Education, and the Social Security Administration,

At least 51 killed in North Macedonia nightclub fire: Report

World. A devastating fire at the Pulse nightclub in Kocani, North Macedonia, has reportedly claimed the lives of at least 51 people, according to the state news agency, which cited the interior ministry.The blaze erupted in the early hours of Sunday in the town, located about 100 km east of the capital, Skopje.Videos circulating on social media capture the nightclub engulfed in flames, with thick smoke rising into the night sky.

While local media speculate that as many as 50 people may have died and many others sustained injuries, officials have yet to confirm the exact toll.Reports suggest that the fire broke out around 02:00 GMT during a live performance by ADN, a well-known hip-hop duo in North Macedonia.With an estimated 1,500 people attending the concert, the venue remained ablaze for hours after the initial outbreak.Preliminary accounts indicate that pyrotechnic effects used during the show might have triggered the fire.Footage appears to show sparks from the stage igniting the ceiling, with the flames rapidly spreading throughout the club. Authorities are expected to conduct a thorough investigation into the incident.

How did Starbucks end up paying $50 million over tea burn incident

UPDATED: A delivery driver has won $50 million in a lawsuit after being seriously burned when a Starbucks drink spilled in his lap at a California drive-through, court records show.A Los Angeles County jury found Friday for Michael Garcia, who underwent skin grafts and other procedures on his genitals after a venti-sized tea drink spilled instants after he collected it on Feb. 8, 2020. He has suffered permanent and life-changing disfigurement, according to his attorneys.

Garcia's negligence lawsuit blamed his injuries on Starbucks, saying that an employee didn't wedge the scalding-hot tea firmly enough into a takeout tray."This jury verdict is a critical step in holding Starbucks accountable for flagrant disregard for customer safety and failure to accept responsibility,"

one of Garcia's attorneys, Nick Rowley, said in a statement.Starbucks said it sympathized with Garcia but planned to appeal."We disagree with the jury's decision that we were at fault for this incident and believe the damages awarded to be excessive," the Seattle-based coffee giant said in a statement, adding that it was "committed to the highest safety standards" in handling hot drinks.U.S. eateries have faced lawsuits before over customer burns.In one famous 1990s case, a New Mexico jury awarded a woman nearly $3 million in damages for burns she suffered while trying to pry the lid off a cup of coffee at a McDonald's drive-through. A judge later reduced the award, and the case ultimately was settled for an undisclosed sum under $600,000.

Tornadoes rip through US leaving 27 dead; Missouri, Texas, Kansas hit hardest

Washington At least 27 people died and dozens more injured on Saturday when tornadoes and violent storms swept across the central United States, officials said.Local news footage showed roofs torn off homes and large trucks overturned, as forecasters warned of more tornadoes over the weekend. Eight people died in Kansas in a crash involving more than 50 vehicles, caused by low visibility during a "severe dust storm," local police reported.The Missouri State Highway Patrol confirmed 12 storm-related fatalities and shared images of boats piled on top of one another at a marina destroyed by the weather. State police also reported downed trees and power lines, as well as extensive damage to buildings, with some areas severely impacted by "tornadoes, thunderstorms, and large hail."It was the scariest thing I've ever been through. It was so fast, our ears were all about to burst," Alicia Wilson, who was evacuated from her home in Missouri, told TV station KSDK.

Six fatalities were reported in Missouri's Wayne County, three in Ozark Countywhere multiple injuries were also reportedand one each in Butler, Jefferson, and St. Louis counties, police said. Further south in Texas, local authorities told AFP that four people had died in vehicle accidents linked to dust storms and fires that reduced visibility on the roads.In the neighbouring state of Arkansas, officials said three people had died and 29 had been injured in the storm.Governor Sarah Huckabee Sanders declared a state of emergency in response and said she had spoken with President Donald Trump.

"He said to tell the people of Arkansas he loves them, and he and his administration are here to help with whatever we need following last night's tornadoes," Sanders wrote on X.At least 200,000 homes and businesses across the central United States were without power by Saturday evening, according to tracking site poweroutage.us.

More tornadoes were forecast on Saturday in the central Gulf Coast states, including Mississippi and Tennessee."Numerous significant tornadoes, some of which may be long-track and potentially violent, should continue into this evening," the National Weather Service stated.

Tornadoes are spinning columns of air that touch the ground from massive cumulonimbus thunderstorm clouds. The central and southern American states of Texas, Oklahoma, and Kansas experience the most violent ones due to unique geographical and meteorological conditions.WashingtonDubbed "Tornado Alley," this region is where winds of widely varying temperatures meet in volatile, potent storm clouds, with most storms occurring from May to June.

Federal judge blocks Trump's deportation of alleged Venezuelan gang members

UPDATED A federal judge on Saturday temporarily blocked any deportations that would occur under President Donald Trump's invocation of a little-used wartime law to expedite the expulsion of alleged members of the Venezuelan gang Tren de Aragua.Trump invoked earlier in the day the Alien Enemies Act of 1798 against the group saying the country was facing an "invasion" from a criminal organisation that has been linked to kidnapping, extortion, organised crime and contract killings.Hours afterwards, Judge James Boasberg issued a temporary restraining order for 14 days. Boasberg said the act "does not provide a basis for the president's proclamation, given that the terms invasion, predatory incursion really relate to hostile acts perpetrated by any nation and commensurate to war".In invoking the act, Trump said members of the gang were "conducting irregular warfare and undertaking hostile actions against the United States" with the goal of destabilising the nation.The act, which has only been used in times of war, could allow the president to bypass the due process rights of migrants categorised as threats and rapidly deport them.While the proclamation was released by the White House on Saturday, the wording suggests Trump signed it on Friday.

"This proclamation is as lawless as anything the Trump administration has done," Lee Gelernt, a lawyer with the American Civil Liberties Union, who argued for the order in a hearing on Saturday, told Reuters in an interview."We are on very dangerous ground when the administration is going to try to use wartime authority, when we're at peace, for immigration purposes or any other-non military purpose."Under Trump's proclamation, all Venezuelan citizens 14 years of age or older who are determined to be members of the gang, are within the US, and are not naturalised or lawful permanent residents of the country are "liable to be apprehended, restrained, secured, and removed as Alien Enemies."The Alien Enemies Act is best known for its use to justify internment camps for people of Japanese, German and Italian descent during World War Two.

Civil rights groups and some Democrats have criticised the idea of reviving it to fuel mass deportations and the move will likely trigger legal challenges.

The Trump administration in February designated Tren de Aragua, the Sinaloa Cartel and six other criminal groups as global terrorist organisations.

Saturday's directive said that Tren de Aragua "has engaged in and continues to engage in mass illegal migration to the United States to further its objectives of harming United States

This giant shark is heading to Florida's beaches—Should you be worried

World. Thousand college students are getting ready to make their way to Florida beaches for spring break. Scientists are also monitoring a colossal great white shark making its way south. Contender, the shark, is an enormous 1,653-pound creature, traveling down the coast.Contender is a massive 13 feet, 9 inches in length. The shark was tagged by OCEARCH in January when it swam into the Florida-Georgia border. Contender has been migrating south on the coast since then. As of Thursday, Contender was only a few miles off Sebastian, Florida. It is the largest shark ever tracked by OCEARCH.OCEARCH chief scientist Dr. Harley Newton described why it's so important to monitor sharks such as Contender to learn about their breeding habits and migration. The shark carries a unique tag that will yield real-time information for approximately five years, Fox news reported.

Another shark headed south

Contender is not alone in the southbound migration. Another great white shark, Dold, weighing 761 pounds and 11 feet in length, is also migrating. Dold was most recently spotted near Hobe Sound, some 100 miles in front of Contender. Dold is named after Dr. Christopher Dold of SeaWorld, an ocean conservationist. Monitoring sharks such as Dold and Contender yields significant information on their behavior and migration patterns.

While these massive predators travel along the coast, experts emphasize that shark encounters are very uncommon. During 2024, there were just 47 reported shark bites across the globe, and one death in the U.S. Scientists assure people that sharks do

Who was Abu Qatal, LeT mastermind behind Rajouri attack killed in Pakistan

World. Lashkar-e-Taiba's most wanted terrorist, Abu Qatal, was murdered in Pakistan on Saturday night. A key operative of the terror outfit, Qatal had been instrumental in planning and executing multiple attacks in Jammu and Kashmir, making him a prime target for security agencies.Abu Qatal, whose real name is Zia-ur-Rehman, was travelling with his security guard in the Jhelum area around 7 pm when unknown attackers opened fire. The assailants fired 15 to 20 rounds, killing Abu Qatal and one of his security guards on the spot.

He was a close aide of Hafiz Saeed, the mastermind behind the 26/11 Mumbai attacks, and played a pivotal role in orchestrating terror strikes in India.

The 43-year-old Zia-ur-Rehman was the main handler of LeT involved in the planning of various terrorist attacks in Jammu and Kashmir's Poonch-Rajouri region. He along with Saifullah Sajid Jutt was the main handler of terrorists of Laskhkar-e-Taiba operating in the region. He was in-charge of Khuiratta Dett of LeT located in Kotli Dist of Pakistan occupied J&K.

ABU QATAL WAS MASTERMIND BEHIND REASI BUS ATTACK, 2023 RAJOURI ATTACKS

According to the dossier accessed exclusively by India Today, Abu Qatal was the main link between LeT cadre and operators in Pak occupied J&K and Sindh Province of Pakistan. Abu Qatal had infiltrated into the Jammu region in early 2000, and exfiltrated in the year 2005.

Among the most heinous attacks linked to him was the June 9, 2024 assault on a bus carrying pilgrims returning from the Shiv Khori temple in Jammu and Kashmir's Reasi district. The attack, executed under his leadership, left nine people dead, including seven pilgrims, and injured 41 others.

His involvement in terror activities extended beyond Reasi. The National Investigation Agency (NIA) had named him in its chargesheet for the deadly 2023 Rajouri attacks.On January 1 that year, terrorists targeted civilians in Rajouri's Dhangri village, followed by an IED blast the next day, killing seven people, including two children. The attack sent shockwaves across the region, and investigations revealed that Qatal was one of the key masterminds behind the operation.

According to NIA findings, Qatal, along with two other Pakistan-based Lashkar handlers, played a crucial role in recruiting and dispatching terrorists to target civilians, particularly those from the minority community, as well as security personnel in Jammu and Kashmir.His influence extended beyond direct attacks, as he was also responsible for forming proxy terror outfits such as the People's Anti-Fascist Force (PAFF) and The Resistance Force (TRF). These groups were used as fronts for Lashkar-e-Taiba and Jaish-e-Mohammed, allowing them to claim responsibility for attacks while maintaining a degree of plausible deniability.

Rome sees huge Pro-Europe march as EU rearmament plans spark debate

- **Thousands rally in Rome for pro-Europe demonstration.**
- **Initiative launched by journalist Michele Serra in February.**
- **Protest responds to U.S.-Europe tensions over Ukraine and tariffs.**

UPDATED. Tens of thousands of Italians joined a pro-Europe rally in Rome's city center Saturday, waving blue European Union flags in a sign of support and unity as a European push for rearmament divides the country.The initiative, supported by most of the center-left opposition parties, despite their different positions, was launched by Italian journalist Michele Serra at the end of February, with an editorial in the Italian daily La Repubblica titled: "Let's say something European."I wanted to organize a large demonstration of citizens supporting Europe, its unity and its freedom, with no party flags, only European flags," Serra said, launching the slogan: "Here we make Europe, on response to U.S. r we die."The initiative was born iPresident Donald Trump 's destabilizing policies, which created an unprecedented rift between Europe and the U.S., strained over the war in Ukraine and an ongoing tariff battle.Italian Premier Giorgia Meloni has reluctantly backed an EU plan to rearm Europe over concerns that the proposal by European Commission President Ursula von der Leyen might weigh on Italy's giant debt, diverting much-needed funds to weapons spending.The EU plan aims to generate

around 800 billion euros over the next four years, the bulk of which will come from member states increasing their national spending on defense and security.Internally, Meloni openly criticized the project, rejecting the term "rearm" as misleading and encouraged European partners to focus instead on common defense and security.Organizers said Saturday that the pro-Europe rally, which filled Rome's central Piazza del Popolo with at least 30,000 people, reunited Italians on different sides and voting for opposite parties "in the name of democracy.""We are here to defend freedom and democracy," said Daniela Condotto, one of the demonstrators. "These are concepts that we got used to over 80 years, but in reality they need to be defended, we cannot take them as a given."Right-wing government parties snubbed the demonstration, standing behind Meloni, who has been struggling in her attempt to play a mediating role between Trump and the EU."There must be support for Europe, but with concrete reforms, not symbolic events," said Antonio Tajani, foreign minister and vice premier ahead of Saturday's rally.Vice Premier Matteo Salvini, leader of the eurosceptic League's party, was openly critical. "While some people demonstrate with flags, we work to change this Europe, which crushes workers, farmers and entrepreneurs with its absurd rules," he said.

NEWS BOX

Indian Wells: Carlos Alcaraz's three-peat dream crashes in semis against Jack Draper

Carlos Alcaraz crashed out of the Indian Wells Masters after losing in three sets to Britain's Jack Draper in the semi-final on Saturday, March 15. The Spaniard won the title in 2023 and 2024, but failed to keep his dreams of a three-peat in the California desert alive.

Draper won the match 6-1, 0-6, 6-4 to snap Alcaraz's 16-match winning streak at the Indian Wells. The 23-year-old also became only the third player after Andy Murray and Rafael Nadal to have beaten Alcaraz at this event. Nadal was the last to beat Alcaraz in 2022.Carlos Alcaraz was flat'Alcaraz came into the semis after not dropping a single set, but Draper put pressure on him throughout. Although he put his best foot forward in the second set, he was unable to hold his nerves in the third.After the match, Draper said that Alcaraz looked off-colour throughout and

wasn't near his brutal best. "It was a strange match. You know, honestly Carlos came out, he was a bit flat, I sensed that," Draper was quoted as saying."Against top players in the world, they can change their momentum very quickly so I just got lost out there for 25 minutes and then in the third, I came out, I was really proud of my competitiveness, my attitude and somehow managed to get over the line there in the end," Draper added.With this victory, Draper will break into the top 10 of the ATP rankings for the first time in his career. He could even rise to as high as No.7 in the rankings if he beats Holger Rune in the final of the tournament.

Rune made his way through to the final after beating fifth seed Daniil Medvedev 7-5, 6-4. Rune has returned to a final after losing seven semi-final clashes on the trot.

Man City stumble, Forest soar in Champions League chase

MANCHESTER. Manchester City failed to ease fears of missing out on next season's Champions League after twice blowing the lead to draw 2-2 against Brighton, while third-placed Nottingham Forest thrashed Ipswich 4-2 on Saturday.Erling Haaland and Omar Marmoush put City in front, but high-flying Brighton extended their unbeaten run to seven games thanks to Pervis Estupinan's free-kick and an Abdukodir Khusanov own goal.City boss Pep Guardiola said on Friday that just qualifying for the Champions League would be a "big success" after a difficult season for a side used to lifting the league title.The English champions' early exit from Europe's top competition to Real Madrid had at least ensured a full week's preparation for Guardiola's men to bounce back from last weekend's dismal 1-0 defeat at

Forest.Marmoush was restored to the starting line-up and proved to be City's brightest spark going forward.The Egyptian won the penalty from which Haaland opened the scoring with his 29th goal of the season.City's lead lasted only 10 minutes as Estupinan curled a free-kick in off the post past the leaden-footed Stefan Ortega in the City goal.

Marmoush blasted City back in front from long range before half-time.Brighton, though, took just three minutes into the second half to level again when Jack Hinshelwood's shot was turned into his own net by Khusanov.

Nico Gonzalez hit the post as City pushed in vain for a winner.A top-five Premier League finish will almost certainly secure a Champions League place this season thanks to English clubs' strong performances in European competition.A point leaves City still in fifth, just one point ahead of Brighton in seventh."I'm always confident, in that I am a master. I do have moments when I can doubt but I find the right way, the positiveness in everything," said Guardiola."I know it will be difficult for many reasons but we have nine games, nine finals."

NZ vs PAK: New-look Pakistan hammered in T20I series opener

- New Zealand beat Pakistan by 9 wickets
- New Zealand chased down 92 in 10.1 overs
- New Zealand took a 1-0 lead in the 5-match series

New Delhi. New Zealand stormed to a 1-0 series lead over Pakistan with a dominating nine-wicket win in the opening game on Sunday, March 16 at the Hagley Oval in Christchurch. It was also their biggest T20I win over Pakistan (by balls remaining) as they won with 59 balls to spare.Their previous biggest victory came in 2018 at the Westpac Stadium in Wellington when they chased down 106 with 25 balls left in their innings. After bowling Pakistan out for 91 in 18.4 overs, it took the Black Caps only 10.1 overs to romp past the finish line.Pakistan fielded three debutants: Hasan Nawaz, Mohammad Ali and Abdul Samad, but none of them could make an impact.

After being asked to bat first, Pakistan found themselves tottering at 11 for four in 4.4 overs. Both their openers, Mohammad Haris and Nawaz, couldn't open their accounts. Skipper Salman Agha and Khushdil Shah injected momentum into the innings with a 46-run stand for the fifth wicket.Khushdil smacked three sixes in his 32-run knock off 30 balls before Jacob Duffy accounted for his wicket. Duffy was outstanding after he finished with figures of 3.4-0-14-4. Kyle Jamieson was unplayable as well after he took three early wickets for only eight runs in four overs.

New Zealand romp home

The run-chase was always going to be straightforward, and it didn't turn out any different. Tim Seifert and Finn Allen put on 53 runs for the opening wicket off 5.5 overs to take the home team off to a clinical start in the powerplay.Also Read: NZ vs PAK: Pakistan slump to their lowest T20I total vs New Zealand in Christchurch

After not being able to make early inroads into the opposition batting, it was always going to be tough for Pakistan to make a comeback. Abrar Ahmed was the only wicket-taker for Pakistan after he dismissed Seifert, who made 44 runs off 29 balls.

Allen stayed not out on 29 off 17 while Tim Robinson scored an unbeaten 18. Pakistan have plenty of thinking to do before the second T20I on Tuesday, March 18 at the University Oval in Dunedin.

Mumbai Indians win WPL crown after Harman special, Delhi crumble once again

New Delhi. Harmanpreet Kaur starred with a stunning 66-run knock in the final of the Women's Premier League, guiding the Mumbai Indians to their second title in three years. MI beat Delhi Capitals by 8 runs at the Brabourne Stadium on Saturday, March 15, as Meg Lanning's side once again faltered under pressureMeg Lanning's side, who reached the final directly for the third time in three seasons, failed to chase down 150 runs against the tall bowling order of Mumbai. Nat Sciver-Brunt, the Orange Cap holder of the season, weaved magic with her cutters, as DC crumbled under pressure once again.Bar Marizanne Kapp's fighting 40 off 26 balls, none of the batters showed up for Delhi in the final. Meg Lanning, Shafali Verma, Jess Jonassen, Jemimah Rodrigues, and Annabel Sutherland, an enviable line-up in any part of the world - fell to soft dismissals after being consistently put under pressure by the Mumbai bowlers.

It was perhaps the loss of momentum that made DC batters look lacklustre in the final. They had last batted on 7 March, exactly a week back, which might have worked against them. But one cannot take anything away from Mumbai, who once again won it the hard way, playing 4 matches over the last week. After failing to reach the finals directly due to their loss against RCB in the last group stage game of the tournament, MI put up brilliant performances against Gujarat Giants and Delhi in a space of 3 days

to clinch the WPL title.The final was not an easy game for MI though. Mumbai were down and out, at least in the first half of the game, when things simply seemed to go Delhi's way. With Marizanne Kapp bowling rockets, and exceptional catches being taken on the field, it seemed that this was going to be Delhi's night, finally.

But it was not to be after the Capitals' batting order failed to back up the team's bowling unit in the second innings, crumbling down to 83/6 by the 13h over of the game. If not for Kapp's 40 off 26, Delhi would have faced a bigger defeat today.

WPL 2025: Full Coverage

WPL Final: Harmanpreet to the Rescue

Earlier in the first innings, Mumbai Indians only had Harmanpreet Kaur to thank for their winning total of 149 runs. After Yastika Bhatia and Hayley Matthews flunked with the bat once again, not only did the MI captain see off the pressure, but she also launched an elite counterattack to get the team back on track.When Harman came into th crease, she had to deal with a lot. Not only did MI score their second-lowest runs in the powerplay this season, they had also lost two of their batters. However, Harmanpreet stayed focused and added 89 runs off 62 balls with Nat Sciver-Brunt to stabilise the innings.

NZ vs PAK: Pakistan slump to their lowest T20I total vs New Zealand in Christchurch

New Delhi. Pakistan recorded their lowest T20I total against New Zealand in the first game of the five-match T20I series at the Hagley Oval in Christchurch. On Sunday, March 16, Salman Ali Agha's men were bowled out for 91 in 18.4 overs after being asked to bat first.

It was also the first time Pakistan were bowled out for a score of under 100 against the Kiwis in the history of T20Is. Their previous lowest score against the Black Caps was 101 back in January 2016 at the Westpac Stadium in Wellington.

Pakistan's lowest score in T20Is vs New Zealand

91 - Hagley Oval, Christchurch, 2025
101 - Westpac Stadium, Wellington, 2016
105 - Westpac Stadium, Wellington, 2018
127 - Dubai International Cricket Stadium, 2014

Duffy, Jamieson rattle Pakistan

Pakistan got off to a horrendous start after Mohammad Haris and debutant Hasan Nawaz failed to open their accounts. They slumped further as Irfan Khan and Shadab Khan perished to leave the visitors reeling at 11 for four in 4.4 overs. Kyle Jamieson breathed fire and got the wickets of Haris, Irfan and Shadab to finish with figures of 4-1-8-3.

After the early wickets, skipper Salman Ali Agha and Khushdil Shah restored sanity to proceedings with a partnership of 46 runs for the fifth wicket. At the half-way mark, Pakistan found themselves at 42 for four with the need to accelerate big time in the death overs.Salman looked good in his 18-run knock off 20 balls before leg-spinner Ish Sodhi accounted for his wicket. Khushdil, on the other hand, was the standout batter for Pakistan after scoring 32 runs off 30 balls, laced with three sixes.

Sodhi also got the wicket of Abdul Samad, one of the other debutants to finish with figures of 4-0-27-2. Fast bowler Jacob Duffy also bowled brilliantly after finishing with figures of 3.4-0-14-4.

Reijnders saves Milan as Dele Alli sent off on Como debut

ROME. Tijjani Reijnders saved AC Milan's skin in Saturday's 2-1 win against Serie A upstarts Como, who gave Dele Alli his debut from the bench only for the former England international to be sent off moments later.

Netherlands midfielder Reijnders struck in the 76th minute after a brilliant Tammy Abraham pass as Milan came from behind to placate angry home fans and move up to seventh in Italy's top flight.Sergio Conceicao's side are three points from the European places in large thanks to Reijnders who also slipped in Christian Pulisic to level the scores seven minutes after the break.

The 26-year-old also hit the bar shortly before rolling home his 13th goal of the season in all competitions, and went close to netting again with five minutes remaining.

"I always try my best for the team, to be important with goals and assists. Luckily today I could do it for the team," Reijnders told DAZN.Reijnders' performance saved his teammates from a severe barracking at the end of the match as they were loudly booed and whistled off the pitch at half-time with Milan trailing to Lucas Da Cunha's 33rd-minute strike.Regardless supporters continued to demand that owners, US investment firm RedBird, sell the club as they have at all recent matches, irritated by

inconsistent displays below their lofty expectations."That's something that this season we are suffering from. I don't think it's the sharpness but we make personal mistakes and those things can happen," Reijnders added."We have to keep improving as I've said multiple times this season."AC Milan's Tijjani Reijnders, second from right, wit teammates celebrates after scoring his side's second goal during the Italian Serie A football match between AC Milan and Como at the San Siro Stadium in Milan, Italy.Defeat was harsh on Como who performed well on one of football's biggest stages and stay safely nestled in 13th place, seven points above the relegation zone.Da Cunha was also unlucky not to double Como's lead moments before Pulisic's leveller as his goal was ruled out for a razor-thin offside.

"I think we played incredibly well... if I have to lose, let me lose like that because it's so enjoyable to see players play like that," said Como coach Cesc Fabregas.The evening ended in the worst possible way for the lakeside club when late substitute Dele, who is trying to revive his career after a troubled few years since leaving Tottenham Hotspur, was shown a straight red card in the final minute for a rash challenge on Ruben Loftus-Cheek.Fabregas also saw red for dissent shortly afterwards as Como make the short trip back from Milan with nothing from another creditable display against more illustrious opposition.

Virat Kohli on BCCI's family restriction rule: Don't want to sit alone and sulk

- Virat Kohli said that the presence of families on tours helps cricketers take responsibility for their game in a better way when they are going through tough times. Kohli was a part of India's Champions Trophy-winning squad.

New Delhi. Veteran Indian batter Virat Kohli opened up BCCI's new rule on restricting families while players are on tour. The 36-year-old, who recently helped India win the Champions Trophy title for the third time after 2002 and 2013, said that families have a big role to play when players go through rough patches on tours.Following India's 1-3 loss in the Test series against Australia earlier this year, the Indian cricket board implemented a new policy. It stated that players' partners and children would only be allowed to join them on tours lasting more than 45 days after the first two weeks, with their stay limited to 14 days."It's very difficult to explain to people how grounding it is to just come back to your family every time you have something which is intense, which happens on the outside," Kohli said at the Royal Challengers Bengaluru (RCB) Innovation Lab Indian Sports Summit before IPL 2025, as quoted by was quoted by ESPNcricinfo."I don't think people have an understanding of what value it brings to a large extent. And I feel quite disappointed about that because it's like people who have no control over what's going on are kind of

brought into conversations and put out at the forefront that, 'oh, maybe they need to be kept away'," Kohli said.

'Want to be able to be normal'

Kohli, who recently became the fastest batter to the landmark of 14000 runs in ODIs breaking Sachin Tendulkar's record, said that the presence of families on tours helps players take responsibility for their game in a better way."If you ask any player, do you want your family to be around you all the time? You'll be like, yes. I don't want to go to my room and just sit alone and sulk. I want to be able to be normal. And then you can really treat your game as something that is a responsibility. You finish that responsibility, and you come back to life," Kohli added.

Recently, when India played in the Champions Trophy, Kohli's wife Anushka Sharma was seen cheering for her husband from the stands. After India lifted the title in Dubai with a four-wicket win in the final against New Zealand, Kohli celebrated with Anushka as their moments of camaraderie also went viral on social media.

Indian captain Rohit Sharma's wife Ritika Sajdeh and their daughter Samaira were also seen during the Champions Trophy. Kohli was amongst India's standout batters in the tournament, having played a couple of crucial knocks, a century against Pakistan in Dubai followed by an 84-run knock against Australia in the semi-final.

Kriti Kharbanda

And Pulkit Samrat Celebrate First Wedding Anniversary With A Magical Video

Bollywood couple Kriti Kharbanda and Pulkit Samrat marked their first wedding anniversary on March 15. They tied the knot last year, and since then, life has been "nothing short of a party!" The Shaadi Mein Zaroor Aana actress took to Instagram to share a heartfelt post for the occasion.

Kriti offered a glimpse into their memorable wedding, sharing joyful moments of their love and celebration. Posting a beautiful video on social media, she added an emotional caption: "Our wedding was emo, but life since then has been nothing short of a party! Happy one to us!"

The video has touched fans, bringing back nostalgic memories of the couple's wedding. Admirers flooded the comments with love. One fan wrote, "Happy 1st to this beautiful couple! Wishing you both love and togetherness forever." Another commented, "Happy anniversary to you both! May you always be together through thick and thin, Kriti Kharbanda and Pulkit Samrat."

Kriti and Pulkit married in a private ceremony in Manesar, Haryana. Their wedding was elegant yet intimate. Kriti looked stunning in a custom pink lehenga, while Pulkit complemented her in a chic mint-green sherwani. The celebration was a perfect blend of love, joy, and timeless traditions.AT present, both actors are making their mark on OTT platforms.

Kriti is set to explore a darker, more complex role in the second season of the crime drama Rana Naidu. She will also star alongside Sunny Singh in Abir Sengupta's dark comedy Risky Romeo, which is a mix of humour and eccentric characters.Meanwhile, Pulkit is gearing up for his role as a boxer in the sports-action drama Glory. His transformation for the character has already impressed fans.

Esha Deol

REGRETS Saying No To Golmaal, Beedi Jalaile: '100% Bang Your Head Against The Wall

Esha Deol recently reflected on some of the bold career choices she made in her early days—decisions that, in hindsight, may not have worked in her favor. While promoting her upcoming film Tumko Meri Kasam, the actress admitted that she had turned down several major films that later became box-office hits.In a conversation with Siddharth Kanan, Esha shared, "There were a couple of very good films which I could have done, but I don't know what I was thinking, and I said no to them. They went on to be big hits, which I could have had to my credit." When asked if her decisions were driven by arrogance, she was quick to dismiss the assumption. "Nahi nahi, itna arrogant nahi banao mujhe (No, no, don't make me sound that arrogant). I was very well-behaved, naïve, and a very innocent girl when I was working in films then. I was not arrogant like people think."

Esha explained that several factors influenced her choices. Some projects conflicted with her existing commitments, while others didn't align with her comfort level or family values. "Some of them were date issues, sometimes I thought I wouldn't be able to justify the role. I was not comfortable doing some roles. I took certain decisions keeping my family values in mind as I didn't want to offend some people. I had to keep many things in mind," she added.Among the opportunities she passed on was a role in Golmaal (2006) and the now-iconic song Beedi Jalaile from Omkara (2006), which ultimately went to Bipasha Basu. Acknowledging

Bipasha's performance, Esha said, "I think Bipasha has done a fantastic job."When asked if she regretted missing out on these successful projects, she admitted, "Of course, every actor would. 100 per cent bang your head against the wall."The daughter of Bollywood legends Dharmendra and Hema Malini, Esha debuted in 2002 with Koi Mere Dil Se Poochhe. Despite an impressive start, her career didn't sustain momentum. Though she gained mainstream attention with Dhoom (2004), she struggled to follow it up with consistent hits.

'Zoya Akhtar Prefers Her Friends': Adi Irani Says He Was Replaced In Dil Dhadakne Do Without Notice

Adi Irani, best remembered for his role as Vicky Malhotra in Baazigar (1993), recently opened up about his struggles in the industry. In a candid interview with Filmytantra Media, the actor revealed that he was initially considered for a role in Dil Dhadakne Do but was later replaced by Parmeet Sethi without being informed.Sharing his experience, Irani claimed that director Zoya Akhtar prefers working with her close circle of friends. "She conducted an audition with me, but later, I found out that Parmeet Sethi had been cast instead," he said. The 2015 film, featuring Anil Kapoor, Priyanka Chopra, Ranveer Singh, Farhan Akhtar, and Shefali Shah, was one of the most talked-about projects of the year.

Irani further explained that he was looking for a role with substance rather than screen time. "I told Zoya that I don't need to be seen throughout the film, but my character should have depth," he recalled. However, while he was filming Welcome Back, he realized that the role had been handed over to Parmeet Sethi. "Anil Kapoor even checked in with me about my role in Dil Dhadakne Do, and that's when I knew things weren't going as expected," he added.

The actor mentioned that he was later called for a second audition, only to be given lines for a different character. "I wasn't informed about the change," he said, adding that such unprofessionalism is common in the industry. When asked if he felt he was left to speculate, Irani responded, "Yes. It's very difficult for people to tell an actor they've been replaced. Everyone wants to be a diplomat, and people aren't always upfront."

Beyond his personal experience, Irani also criticized the current state of filmmaking, claiming that storytelling has taken a backseat to commercial success. "Directors and producers today are only making films to earn money. The emotional touch in stories is missing," he remarked.Despite these setbacks, Irani remains vocal about the evolving dynamics of the film industry and the challenges actors face in securing meaningful roles.

Aamir Khan's Girlfriend Gauri Spratt's New Pic From Pre-Birthday Meet

Aamir Khan recently hosted a pre-birthday celebration with paps and the media on March 13. Known as a person who is fiercely protective of his personal space, Aamir surprised everyone by introducing his girlfriend, Gauri Spratt, to his media friends. And thus, the whole attention shifted to finding out more about the superstar's new ladylove. Amid this, a new photo of Spratt from the pre-birthday meet has emerged and it is going viral on the web.Dressed in a simple blue kurta with blue leggings, Gauri Spratt's new photo is breaking the Internet. She carried a simple black bag and wore her glasses to the pre-birthday meet.

The photo was posted by pap Yogen Shah's page on Instagram. Take a look:Aamir Khan and Gauri Spratt have reportedly known each other for 25 years. Based in Bengaluru, she works with the actor's production house and is mother to a six-year-old boy from her previous marriage. Recently, the Lagaan actor admitted to preparing Spratt for the "media madness".

He further said that although she feels ready to face the media now, he urged everyone to be kind to her.I have tried to tell her how it will be, the media madness, and prepare her somewhat for it. She isn't used to it. But we are hoping that you guys will be kind," Aamir told Hindustan Times.

The actor further said that though a third marriage isn't on his mind at the moment, he feels steadiness in his relationship with Spratt. "I don't know at the age of 60, mujhe shaadi shobha deti hai ki nahi (if marriage suits me)." He also said that his children are happy with their relationship, adding, "I am very fortunate to have such great relationships with my ex-wives.

"Previously, Aamir Khan was married to Reena Dutta for 16 years, before parting ways in 2002. They are parents to Junaid Khan and Ira Khan. He married Kiran Rao three years later, in 2005. They announced their divorce in 2021. The former couple co-parent their son, Azad Rao Khan.